दैनिक
मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
RNI. No. 69062/94
निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र
प्रभात परिक्रमा
वर्ष: 31 | अंक: 224 | भोपाल, गुरुवार 27 अगस्त 2026 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है
दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है
: संपर्क :
9425023929

राहुल के कहने पर हिमंत पर लगाए आरोप, रिजिजू ने पवन खेड़ा पर साधा निशाना

- केंद्रीय मंत्री का दावा- झूठे आरोपों के बदले मिली राज्यसभा सीट, कांग्रेस नेता ने पहले किया था पलटवार

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि असम चुनाव के दौरान हिमंत बिस्वा सरमा और उनके परिवार को लेकर लगाए गए आरोप कांग्रेस नेतृत्व के निर्देश पर लगाए गए थे। रिजिजू ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए दावा किया कि कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बताया कि राहुल गांधी ने असम चुनाव के अंतिम दौर में पवन खेड़ा से हिमंत बिस्वा सरमा और रिनीकी सरमा पर आरोप लगाने को कहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि जब ये आरोप सफल नहीं हुए तो पवन खेड़ा को राज्यसभा सीट देकर पुरस्कृत किया गया। हालांकि, रिजिजू के इन आरोपों पर कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक वीडियो साझा करते हुए राहुल गांधी का जिक्र किया और भाजपा नेताओं पर टिप्पणी की। उन्होंने किरेन रिजिजू पर भी तंज कसा और उनकी कुछ गतिविधियों को लेकर सवाल उठाए। इसके जवाब में किरेन रिजिजू ने पवन खेड़ा पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि यदि खेड़ा उनके तैराकी करने को लेकर टिप्पणी करते हैं तो वे इस मामले की शिकायत असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से करेंगे। उन्होंने सवाल किया कि क्या पवन खेड़ा पूरे सूट-कोट पहनकर तैराकी करते हैं। रिजिजू ने कहा कि पवन खेड़ा पहली बार राज्यसभा सदस्य बने हैं और उन्हें केवल इस आधार पर दूसरों पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं मिल जाता।

बिहार में गंगा के तेज बहाव में मजदूरों से भरी नाव डूबी, दो लापता

नवगछिया में तटबंध टूटने से बढ़ा पानी का दबाव, 19 मजदूरों ने तैरकर बचाई जान

भागलपुर। बिहार के नवगछिया क्षेत्र में गंगा नदी के तेज बहाव के कारण बड़ा हादसा हो गया। मजदूरों से भरी एक नाव नदी में पलट गई, जिसमें सवार 21 लोगों में से 19 ने तैरकर अपनी जान बचा ली, जबकि दो मजदूर अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, गंगा नदी के उफान के कारण क्षेत्र में पानी का दबाव बढ़ गया था। इसी दौरान तटबंध टूटने से हालात और गंभीर हो गए। तेज बहाव की चपेट में आने के बाद मजदूरों से भरी नाव अनियंत्रित होकर नदी में समा गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। नाव में सवार अधिकांश मजदूर किसी तरह तैरकर बाहर निकल आए। वहीं, दो मजदूरों का पता नहीं चल सका है। लापता मजदूरों की तलाश के लिए स्थानीय प्रशासन और बचाव दल अभियान चला रहे हैं। प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रही है। नदी के तेज बहाव को देखते हुए बचाव कार्य में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण इलाके के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। तटबंध टूटने से आसपास के क्षेत्रों में पानी फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है और नदी के आसपास जाने से बचने की सलाह दी है। अधिकारियों का कहना है कि लापता मजदूरों की तलाश जारी है और राहत कार्यों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

नेपाल में बाढ़ का कहर...

कैलाश मानसरोवर जा रहे करीब 400 तीर्थयात्रियों से संपर्क टूटा

- रसुवा जिले में सड़क और जरूरी ढांचे को नुकसान, ज्यादातर तीर्थयात्री भारतीय बताए जा रहे

काठमांडो। नेपाल में अचानक आई बाढ़ ने कैलाश मानसरोवर यात्रा पर निकले सैकड़ों तीर्थयात्रियों की चिंता बढ़ा दी है। रसुवा जिले में आई भीषण बाढ़ के बाद करीब 400 तीर्थयात्रियों से संपर्क टूट गया है। ये सभी यात्री चीन के तिब्बत क्षेत्र स्थित कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल-चीन सीमा की ओर जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, इन यात्रियों को बुधवार को रसुवागढ़ी सीमा पार करनी थी, लेकिन बाढ़ के कारण सड़क और अन्य जरूरी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। इसके चलते यात्रा प्रभावित हुई और कई तीर्थयात्रियों से संपर्क नहीं हो सका। नेपाल की यात्रा एजेंसियों के अनुसार, करीब 390 तीर्थयात्री रसुवा क्षेत्र में मौजूद थे। इनमें 93 नेपाली नागरिक शामिल हैं, जबकि बाकी अधिकांश भारतीय बताए जा रहे हैं। यात्रियों की स्थिति का पता लगाने के लिए लगातार संपर्क करने के प्रयास किए जा रहे हैं। टच कैलाश ट्रैवल्स एंड टूर्स के प्रबंध निदेशक बाशु कुमार अधिकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर तक कुछ यात्रियों से संपर्क हो गया था, लेकिन बड़ी संख्या में यात्री अभी भी संपर्क से बाहर थे। ट्रेकिंग एजेंसियों एसोसिएशन ऑफ नेपाल के अध्यक्ष सागर पांडे ने बताया कि सभी यात्रियों की जानकारी जुटाई जा रही है। इन तीर्थयात्रियों में कई अलग-अलग यात्रा एजेंसियों के यात्री शामिल हैं। इनमें सम्राट टूर्स एंड ट्रैवल्स, लीफ हॉलीडेज, काठमांडू हॉलीडेज, कैलाश जर्नी, एक्सप्लोर वेकेशन, ट्रेकर्स सोसाइटी, रिचा टूर्स, फिशटेल टूर्स एंड ट्रैवल्स, हिमालयन ग्लेशियर और एल्पाइन इको ट्रेक जैसी एजेंसियों के यात्री शामिल बताए गए हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड की प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भोटे कोशी नदी में आई अचानक बाढ़ के बाद कुल 384 पर्यटकों और यात्रियों के लापता होने की सूचना है। इनमें 291 विदेशी नागरिक और 93 नेपाली नागरिक शामिल हैं। सूची में भारतीय नागरिकों के साथ प्रवासी भारतीयों के भी शामिल होने की जानकारी दी गई है। हालांकि, नेपाल पर्यटन बोर्ड की इस सूची में कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जा रहे सभी तीर्थयात्रियों का आंकड़ा अलग से शामिल नहीं किया गया है। प्रशासन और संबंधित एजेंसियां लगातार राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। यात्रियों की सुरक्षा और उनकी स्थिति की जानकारी जुटाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। नेपाल में बाढ़ की तबाही, प्रधानमंत्री मोदी ने बालेन शाह से की बात भारत ने हर संभव मानवीय सहायता का दिया भरोसा, सैकड़ों लोगों के लापता होने की सूचना नई दिल्ली। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से फोन पर बातचीत कर हालात की जानकारी ली। प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ में हुई जनहानि पर दुख जताते हुए नेपाल को हर संभव मदद और मानवीय सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। नेपाल के रसुवा जिले में भोटेकोशी नदी में अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। शुरूआती जानकारी के अनुसार, तिब्बत क्षेत्र में आए हिमस्खलन के बाद पानी का तेज बहाव नेपाल की ओर आया, जिससे कई घर, सड़कें, पुल और जलविद्युत परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बातचीत हुई है। उन्होंने बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि भारत इस कठिन समय में नेपाल के लोगों के साथ खड़ा है। भारतीय दूतावास ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं।

विजयपुरा झील में मां और पांच बच्चों के शव मिले, पुलिस हर पहलू की कर रही जांच

- पति से विवाद के बाद घर से निकली थी महिला, सुबह हॉस्टल से छोटे बेटे को भी साथ ले गई थी

विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां भूतनाल झील में एक महिला और उसके पांच बच्चों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शुरूआती तौर पर घटना को आत्महत्या से जोड़कर देखा जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान 35 वर्षीय शोभा और उनके बच्चों विद्या (15), सुवर्णा (13), तिप्पराया (12), सानिका (10) और विकास (6) के रूप में हुई है। बुधवार सुबह करीब पौने नौ बजे पुलिस को सूचना मिली कि भूतनाल झील में छह शव तैरते हुए दिखाई दिए हैं। इसके बाद पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सभी शवों को बाहर निकाला। विजयपुरा ग्रामीण थाने में 24 अगस्त को शोभा के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत महिला के पति मल्लिकार्जुन जलगेरी ने दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि घरेलू विवाद के बाद शोभा बच्चों के साथ घर से चली गई थी। पुलिस के मुताबिक, शोभा सुबह करीब छह बजे चार बच्चों के साथ घर से निकली थी। इसके बाद वह एक छात्रावास पहुंची, जहां से अपने सबसे छोटे बेटे को भी साथ ले गई। बताया गया कि छह वर्षीय बच्चा सुनने में असमर्थ था। पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निंबार्गी ने बताया कि महिला और बच्चे घर से निकलने के बाद अपने मोबाइल फोन घर पर ही छोड़ गए थे, जिसके कारण उनकी लोकेशन का पता लगाने में परेशानी हुई। पुलिस लगातार उनकी तलाश कर रही थी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। पुलिस का कहना है कि सभी संभावित पहलुओं से मामले की जांच की जा रही है। यह भी संभावना जताई जा रही है कि हवा और पानी के बहाव के कारण शव झील में एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंच गए हों। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मामले में फोरेंसिक जांच, एफएसएल रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट महत्वपूर्ण होंगी। इसके अलावा परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों से भी पूछताछ की जाएगी, ताकि घटना के पीछे की वास्तविक वजह सामने आ सके।

सार-समाचार

अमेरिकी पैरोकार समूह ने एच-1बी कार्य वीजा पर अतिरिक्त शुल्क को लेकर जताई चिंता

वाशिंगटन। अमेरिका स्थित भारतीय अमेरिकी पैरोकार समूह ने एच-1बी कार्य वीजा पर प्रस्तावित 1,03,265 अमेरिकी डॉलर के अतिरिक्त शुल्क को लेकर चिंता जताई और कहा कि इस कदम से अमेरिका से नौकरियां अन्य देशों में जा सकती हैं। ह्यफाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीजह्न ने कहा कि इतने ज्यादा शुल्क से वैध नियुक्तियां आर्थिक रूप से अव्यावहारिक हो सकती हैं और न चाहते हुए भी कंपनियां उच्च मूल्य वाली नौकरियों को विदेशों में स्थानांतरित करने के लिए प्रोत्साहित हो सकती हैं। एफआईआईडीएस का यह बयान अमेरिकी गृह मंत्रालय द्वारा सभी एच-1बी वीजा की सीमा के दायरे में आने वाले सभी आवेदनों के लिए 1,03,265 अमेरिकी डॉलर के अतिरिक्त शुल्क का प्रस्ताव दिया गया था। एफआईआईडीएस के नीति एवं रणनीति प्रमुख ने एक बयान में कहा कि हमारा मानना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा, धोखाधड़ी रोकने और कानूनी आव्रजन व्यवस्था के संचालन के लिए गृह मंत्रालय और अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा को पर्याप्त संसाधनों की जरूरत है, लेकिन 1,03,265 अमेरिकी डॉलर का एच-1बी शुल्क आर्थिक तंगी से जूझ रहे नए स्टार्टअप के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

यूक्रेनी ड्रोन हमलों के बीच रूस में निजी प्रतिष्ठानों पर सरकारी नियंत्रण

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक नए आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत यदि निजी मालिक यूक्रेनी ड्रोन हमलों से महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करने या फिर से खड़ा करने में विफल रहते हैं, तब सरकार अस्थायी रूप से उनका नियंत्रण अपने हाथ में ले सकती है। यह कदम यूक्रेन द्वारा बढ़ते, दूर तक पहुंचने वाले और अधिक सटीक ड्रोन हमलों के बीच रूस पर बढ़ते आर्थिक और राजनीतिक दबाव को दशार्ता है। कई महीनों से, यूक्रेन ने घरेलू स्तर पर विकसित लंबी दूरी के ड्रोन का उपयोग करके रूस के महत्वपूर्ण तेल प्रतिष्ठानों और वाणिज्यिक केंद्रों को निशाना बनाया है, जिससे ईंधन की कमी हुई है, जिसे राष्ट्रपति पुतिन ने भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने आदेश के पीछे की मंशा स्पष्ट कर कहा कि अक्सर कारोबारी मालिक सुरक्षा सुनिश्चित करने, खासकर ड्रोन रोधी सुरक्षा के उपाय करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं देते। उप प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव ने स्पष्ट किया है कि इस आदेश का उद्देश्य कंपनियों का राष्ट्रीयकरण या उनके स्वामित्व में बदलाव करना नहीं है।

इमरान की सेहत पर चिंता: बेटों ने 85 प्रतिशत रोशनी जाने और स्लो पॉइजन मर्डर

लाहौर। पाकिस्तानी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में बिगड़ती सेहत को लेकर उनके बेटों, कासिम और सुलेमान खान ने गंभीर चिंताएं जाहिर की हैं। उनके अंतरराष्ट्रीय वकील जेरेड गेन्सर ने जेल की स्थितियों को स्लो पॉइजन मर्डर बताया है। इमरान के बेटों का आरोप है कि 73 वर्षीय इमरान को दिन में करीब 23 घंटे एक छोटी, खिड़की विहीन कोठरी में अकेला रखा जाता है, जिसके कारण उनकी एक आंख की करीब 85 फीसदी रोशनी चली गई है। कासिम के मुताबिक, तीन साल की कैद ने उनकी सेहत को गंभीर रूप से प्रभावित किया है और उन्हें आशंका है कि उचित इलाज के बिना वे अपनी सजा पूरी नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि उनके पिता का शरीर अब उनका साथ छोड़ रहा है। सुलेमान ने बताया कि परिवार का पिछले छ्ह माह से इमरान से कोई संपर्क नहीं पाया है, क्योंकि उनके वीजा आवेदन आगे नहीं बढ़ सके। उन्होंने खराब व्यवहार में पूरे सिस्टम और पाकिस्तानी सेना के बढ़ते दखल का आरोप लगाया है।

मोहन भागवत के कार्यक्रम के विरोध पर अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने जताई नाराजगी

वाशिंगटन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के न्यूयॉर्क स्थित मैडिसन स्क्वायर गार्डन में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर अमेरिका में बहस तेज हो गई है। कार्यक्रम के विरोध पर अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मैरी मिलबेन ने न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी पर निशाना साधा है। मैरी मिलबेन ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि कार्यक्रम का विरोध करने वाले लोग भारतीय राजनीति से प्रभावित हैं और उनका विरोध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के प्रति उनकी राजनीतिक सोच से जुड़ा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अपनी वैचारिक सोच के कारण इस आयोजन का विरोध कर रहे हैं। मिलबेन ने कहा कि यदि किसी को कार्यक्रम से आपत्ति है तो वह अपनी अलग रैली आयोजित कर सकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास का दावा: एमएमडीआर एक्ट से झारखंड को होगा फायदा

अवैध खनन पर लगेगी रोक

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने धनबाद में दावा किया कि केंद्र सरकार का हाल ही में संशोधित खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम (एमएमडीआर कानून) राज्य और देश दोनों के हितों को पूरा करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)-कांग्रेस गठबंधन कानून को लेकर लोगों में भ्रम फैलाकर गुमराह करने का काम कर रहे है। पूर्व सीएम दास ने कहा कि यह अधिनियम अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाएगा और पारदर्शिता के साथ खनन को बढ़ावा देगा, इससे राज्य को अधिक राजस्व मिलेगा। उन्होंने बताया कि खनन क्षेत्र से प्राप्त कुल कर का 90 प्रतिशत हिस्सा राज्य को ही मिलता है और यह व्यवस्था जारी रहेगी। बीजेपी नेता दास ने खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए 2015 में शुरू किए डीएमएफटी फंड का जिक्र किया। उन्होंने राज्य सरकार पर केंद्र द्वारा स्वीकृत 34 कोयला ब्लॉकों में से सिर्फ चार को ही चालू करने को लेकर सवाल उठाया, जिसे उन्होंने राज्य की गंभीरता की कमी बताया। दूसरी ओर, कांग्रेस ने संशोधन का कड़ा विरोध किया है। झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुबोध कांत सहाय ने दावा किया था कि नए कानून से राज्य के खजाने को 14,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इससे कई सामाजिक कल्याण योजनाएं, विशेषकर महिलाओं के लिए मइयां सम्मान योजना प्रभावित होंगी।

अमृतसर में प्याज ने बिगाड़ा रसोई का बजट, कीमत 40 से बढ़कर 60 रुपये किलो

अमृतसर। पंजाब में सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। अमृतसर में प्याज के दामों में अचानक बढ़ोतरी देखने को मिली है। कुछ दिन पहले तक 40 रुपये किलो बिक रहा प्याज अब करीब 60 रुपये किलो तक पहुंच गया है। सब्जी विक्रेताओं के अनुसार, पिछले दो-तीन दिनों में प्याज की कीमत में 15 से 20 रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी हुई है। दुकानदारों का कहना है कि पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही लगातार बारिश के कारण सब्जियों की फसल प्रभावित हुई है, जिससे मंडियों में आवक कम हो गई है। इसका सीधा असर बाजार की कीमतों पर पड़ रहा है। सब्जी विक्रेता विजय कुमार ने बताया कि प्याज के साथ-साथ अन्य सब्जियों के दाम भी बढ़ रहे हैं। गोभी जो पहले 50 से 60 रुपये किलो बिक रही थी।

इस्लामाबाद के अस्पताल में भीषण आग, 15 नवजात शिशुओं की दर्दनाक मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के महिला एवं प्रसूति वार्ड में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। हादसे में नर्सरी में भर्ती 15 नवजात शिशुओं की मौत हो गई, जबकि एक बच्चे को सुरक्षित बचा लिया गया। जानकारी के अनुसार, आग अस्पताल की नर्सरी में सुबह करीब 6 बजकर 45 मिनट पर लगी। शुरूआती जांच में आग लगने का कारण नर्सरी में लगे एयर कंडीशनर के कंप्रेसर में विस्फोट बताया जा रहा है। आग तेजी से फैल गई, जिससे नवजात शिशुओं को बाहर निकालने में काफी परेशानी हुई। अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, घटना के समय नर्सरी में कुल 16 नवजात बच्चे मौजूद थे। बचाव दल ने तत्काल राहत अभियान शुरू किया, लेकिन 15 बच्चों को बचाया नहीं जा सका। हादसे के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही दमकल और बचाव दल मौके पर पहुंचे। आग बुझाने के लिए छह दमकल गाड़ियों और चार एंबुलेंस को लगाया गया। बचाव अभियान के बाद घटनास्थल पर ठंडा करने की प्रक्रिया भी चलाई गई, ताकि दोबारा आग फैलने का खतरा न रहे। जिला प्रशासन के अनुसार, महिला एवं बाल स्वास्थ्य वार्ड की तीसरी मंजिल पर आग लगी थी।

राजस्थान हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश को हटाने की मांग, सुप्रीम कोर्ट के जज ने सीजेआई को लिखा पत्र

जस्टिस संदीप मेहता ने लगाए गंभीर आरोप, तत्काल दूसरे मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की अपील

- जस्टिस मेहता ने अपने पत्रों में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शर्मा के कामकाज और व्यवहार को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं

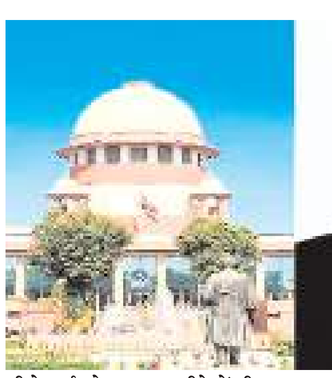

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संदीप मेहता ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को पत्र लिखकर राजस्थान हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को तत्काल पद से हटाने की मांग की है। जस्टिस मेहता ने सीजेआई को अगस्त महीने में तीन पत्र लिखकर राजस्थान हाई कोर्ट में किसी अन्य मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की अपील की है। जस्टिस मेहता ने अपने पत्रों में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शर्मा के कामकाज और व्यवहार को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जस्टिस शर्मा ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपनी शक्तियों का उपयोग इस तरह किया, जो न्यायिक संस्था के प्रमुख पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। जस्टिस मेहता ने कहा कि उन्हें जस्टिस शर्मा के न्यायिक कार्यों को लेकर कई शिकायतें मिली हैं, जिनमें पहली नजर में उनकी निष्पक्षता और कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि राजस्थान हाई कोर्ट के कई न्यायाधीशों ने उनसे मुलाकात कर जस्टिस शर्मा के व्यवहार को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की थी। अपने पत्र में जस्टिस मेहता ने आरोप लगाया कि जस्टिस शर्मा कई बार अपने साथी न्यायाधीशों को भारत के मुख्य न्यायाधीश से करीबी संबंध होने का हवाला देते हुए स्थानांतरण जैसी कार्रवाई की धमकी देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों को देखते हुए जस्टिस शर्मा को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के पद पर बने रहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। जस्टिस मेहता ने 17 अगस्त के पत्र में लिखा कि उन्होंने पहले भी जस्टिस शर्मा के कामकाज और कथित संदिग्ध गतिविधियों का उल्लेख किया था। उन्होंने सवाल उठाया कि गंभीर शिकायतों के बावजूद उन्हें पद पर बने रहने की अनुमति क्यों दी जा रही है। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा वर्तमान में राजस्थान हाई कोर्ट में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत हैं। वे अगले महीने 26 सितंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। जस्टिस मेहता ने यह भी उल्लेख किया कि जस्टिस शर्मा करीब दस महीने से कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में काम कर रहे हैं। उन्हें वर्ष 2016 में राजस्थान हाई कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। वर्ष 2022 में उनका स्थानांतरण पटना हाई कोर्ट कर दिया गया था। जस्टिस मेहता के अनुसार, वर्ष 2023 में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने स्वास्थ्य कारणों के आधार पर राजस्थान वापस भेजने के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया था और उनके स्थानांतरण का प्रस्ताव पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के लिए रखा गया था। हालांकि, वर्ष 2026 में कॉलेजियम ने उन्हें दोबारा राजस्थान हाई कोर्ट भेजने की मंजूरी दे दी। जस्टिस मेहता ने सीजेआई को लिखे पत्र में कहा कि वर्ष 2023 की स्थानांतरण सिफारिशों में उठाए गए मुद्दों के बावजूद जस्टिस शर्मा को इतनी जिम्मेदारी देना समझ से परे है। उन्होंने न्यायिक प्रशासन की गरिमा बनाए रखने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है।

संपादकीय

बीमार हैं स्कूल

देश के सरकारी स्कूलों की बदहाली किसी से छिपी नहीं है। जिस देश में एक लाख स्कूल एक ही शिक्षक के भरोसे चल रहे हों, मूलभूत शैक्षिक सुविधाओं का अभाव हो, वहां पढ़ाई का स्तर क्या होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। कुछ स्कूल जर्जर इमारतों में चल रहे हैं, कुछ पेड़ तले व बरामदों में- तो सवाल स्वाभाविक है कि सुधार क्यों नहीं होता? आखिर इन स्कूलों का सुधार हमारे नीति-नियंताओं की प्राथमिकताओं में क्यों नहीं होता? जिस शिक्षा विभाग में अधिकारियों व कर्मचारियों की पूरी फौज तैनात है, उसकी जवाबदेही तय क्यों नहीं होती? अब भले ही सरकारी स्कूलों को सीजेपी ने अपना मुद्दा बना लिया हो, लेकिन इससे पहले ही देश के कई भागों में छात्र स्कूलों में सुधार की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे हैं। विडंबना यह है कि इन स्कूलों पर ग्रामीण, समाज के वंचित वर्गों, श्रमिकों व गरीब बच्चों की निर्भरता अधिक होती है, फलतः उनकी आवाज भी अनसुनी कर दी जाती है। यदि नेताओं और अधिकारियों के बच्चों के लिये सरकारी स्कूलों में भर्ती अनिवार्य कर दी जाती तो शायद इन स्कूलों के दिन फिर जाते। सरकारी स्कूलों का सच किसी से छिपा नहीं है। नीति आयोग के हालिया आंकड़े इस सच को अनावृत करते हैं। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक दशक में पूरे देश में 94 हजार सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। साथ ही इसी अवधि में सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूल भी 83 हजार से घटकर 79 हजार रह गये हैं। स्कूलों में छात्रों के दाखिले में कमी का सिलसिला भी बदस्तूर जारी है। लेकिन वहीं दूसरी ओर मुनाफा कमा रहे निजी स्कूलों का कुनबा लगातार बढ़ ही रहा है। उनकी संख्या अब 2.9 लाख से बढ़कर 3.4 लाख के करीब हो गई है। यह एक हकीकत है कि सरकारी स्कूलों की स्थिति को लेकर राजनीतिक दलों की जो फिक्र सामने आ रही है, उसके निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। इन दलों की सरकारों के दौरान भी इन स्कूलों की दिशा-दशा में कोई बड़ा बदलाव नजर नहीं आया। चिंता इस बात को लेकर है कि इस मुद्दे पर जो राजनीति हो रही है, कहीं उसके चलते सुधार के विमर्श पर आंच न आए। सही मायने में सरकारी स्कूलों का कायाकल्प होना चाहिए। इसमें शासन, प्रशासन, पक्ष-विपक्ष और नागरिकों की भी अहम भूमिका होनी चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि अभिभावकों से मोटी फीस लेने वाले निजी स्कूल क्यों फल-फूल रहे हैं? सरकारी स्कूलों के पास भवन हैं, पर्याप्त जगह है, सम्मानजनक पगार वाले शिक्षक हैं और सरकारी तंत्र का समर्थन है, तो ये स्कूल पनप क्यों नहीं रहे हैं? क्यों सरकारी स्कूलों में पानी, बिजली, बेंच, टेबल व शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं? बल्कि सुधारों के बजाय शिक्षकों की नियुक्ति में राजनेताओं की धांधली की खबरें अकसर मीडिया में तैरती रहती हैं। विडंबना देखिये कि पढ़ाई-लिखाई के लिये अनुकूल वातावरण की मांग को लेकर राजस्थान व उत्तर प्रदेश के कई शहरों में विद्यार्थी सड़कों पर उतरे हैं। इन बच्चों को अपने भविष्य की फिक्र थी और ये स्कूलों में गुणवत्ता का शैक्षिक वातावरण मांग रहे थे। निश्चित रूप से हमारे नीति-नियंताओं ने सरकारी स्कूलों का उद्धार करने के लिये कभी कोई बड़ा अभियान नहीं चलाया। अब जब मुद्दा तूल पकड़ रहा है तो तमाम घोषणाएं की जा रही हैं। सही मायने में प्राथमिक शिक्षा किसी भी देश के भविष्य की बुनियाद होती है। जब इन स्कूलों में बीमार भविष्य वाले नागरिक तैयार करेंगे तो देश का भला कैसे होगा? दरअसल, सरकारी स्कूल हमारे समाज में व्याप्त आर्थिक विषमता का पर्याय हैं। जो लोग अपने बच्चों को महंगे सरकारी स्कूलों में नहीं पढ़ा सकते हैं, वे ही अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजने के लिये मजबूर हैं।

ओणमः अन्न से प्राण और प्राण से परमात्मा तक की आध्यात्मिक यात्रा

ओणम को सामान्यतः केरलम् के प्रमुख फसल पर्व और राजा महाबली की स्मृति से जुड़ा उत्सव माना जाता है। घरों में पुक्कलम सजते हैं, ओणसद्या बनती है, नौका प्रतियोगिताएं होती हैं और लोकजीवन उल्लास से भर उठता है। केरलम् पर्यटन भी ओणम को फसल उत्सव तथा महाबली और वामन की परंपरा से संबंधित पर्व के रूप में वर्णित करता है, किंतु भारतीय दर्शन की दृष्टि से ओणम को समझने पर इसके भीतर प्रकृति, अन्न, प्राण, चेतना, समर्पण और परम सत्ता के बीच संबंध का अत्यंत गहरा सूत्र दिखाई देता है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

यह सूत्र तैत्तिरीय उपनिषद के पंचकोश चिंतन से लेकर ऋग्वेद में वर्णित विष्णु के त्रिविक्रम स्वरूप और श्रीमद्भागवत में राजा बलि के आत्मसमर्पण तक जाता है। इस दृष्टि से ओणम अन्न की समृद्धि का उत्सव होने के साथ जीवनदायिनी प्राणशक्ति के प्रति कृतज्ञता और उस विराट सत्ता के प्रति समर्पण का पर्व भी बन जाता है, जो समस्त सृष्टि में व्याप्त है।

अन्नः जीवन का पहला आधार

तैत्तिरीय उपनिषद मानव अस्तित्व को पांच स्तरों में समझाता है। ये हैं अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय और आनंदमय कोष। यह चिंतन मनुष्य को उसके स्थूल शरीर से लेकर चेतना के सूक्ष्मतम स्तर तक ले जाता है। तैत्तिरीय उपनिषद की ब्रह्मानंदवल्ली में कहा गया है- 'अन्नाद्वै प्रजाः प्रजायन्ते। अथो अन्नेनैव जीवन्ति। अथैनदपि यन्त्यन्ततः।' (तैत्तिरीय उपनिषद, ब्रह्मानंदवल्ली, 2.1.1)

अर्थ स्पष्ट है कि प्राणी अन्न से उत्पन्न होते हैं, अन्न से जीवन धारण करते हैं और अंततः उसी प्रकृति में लौट जाते हैं। तैत्तिरीय उपनिषद की भृगुवल्ली में इसी चिंतन को और आगे ले जाकर कहा गया है- 'अन्नं ब्रह्मेति व्यजानात।' (तैत्तिरीय उपनिषद, भृगुवल्ली, 3.2.1)

यहां अन्न को ब्रह्म के चिंतन का विषय बनाया गया है। साधक की ब्रह्मज्ञान की यात्रा में अन्न एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। शरीर अन्न से बना है, शरीर के माध्यम से जीवन का अनुभव होता है और इसी जीवन से चेतना की उच्चतर खोज प्रारंभ होती है। वस्तुतः यहीं ओणम का पहला आध्यात्मिक अर्थ सामने आता है। खेत की फसल पृथ्वी, जल, सूर्य, ऋतु, बीज और मानव श्रम की संयुक्त परिणति है, इसलिए नई फसल का स्वागत प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संस्कार है।

अन्न से प्राण की ओर

तैत्तिरीय उपनिषद की भृगुवल्ली अन्न के बाद प्राण को ब्रह्म की खोज में अगला सोपान बनाती है। वहां कहा गया है, 'प्राणो ब्रह्मेति व्यजानात। प्राणाद्ध्येव खल्विमानि भूतानि जायन्ते। प्राणेन जातानि जीवन्ति।' (तैत्तिरीय उपनिषद, भृगुवल्ली, 3.3.1)। यहां दर्शन एक महत्वपूर्ण दिशा ग्रहण करता है। अन्न शरीर का आधार है, प्राण उस शरीर को जीवन देता है। अन्नमय कोष के भीतर प्राणमय कोष की अनुभूति होती है, इसीलिए अन्न और प्राण को अलग-अलग खानों में बांटकर देखने के बजाय भारतीय चिंतन उन्हें जीवन की निरंतर प्रक्रिया के दो जुड़े हुए स्तरों के रूप में देखता है। अब इसे ओणम पर्व के साथ जोड़कर देखें, तब ध्यान में आता है कि खेत में पैदा हुआ अन्न प्रकृति की संचित ऊर्जा है। मनुष्य जब उसे ग्रहण करता है, तो वही ऊर्जा शरीर और प्राण की गतिविधियों को संचालित करती है। इस अर्थ में फसल का उत्सव जीवन के उत्सव में बदल जाता है।

विष्णुः विराट व्याप्ति का वैदिक प्रतीक

ओणम के दूसरे महत्वपूर्ण पक्ष को समझने के लिए विष्णु के वैदिक स्वरूप पर ध्यान देना आवश्यक है। ऋग्वेद के विष्णु सूक्त में उनके त्रिविक्रम रूप का उल्लेख मिलता है- 'इदं विष्णुर्वि चक्रमे त्रेधा नि दधे पदम।' (ऋग्वेद, मंडल 1, सूक्त 22, मंत्र 17)। अगले मंत्र में विष्णु के तीन पगों का उल्लेख है- 'त्रीणि पदा वि चक्रमे विष्णुर्गोपा अदाभ्यः।' (ऋग्वेद, 1.22.18)। वस्तुतः ऋग्वैदिक विष्णु के ये तीन पग आगे चलकर वामन और त्रिविक्रम की पुराण परंपरा में अत्यंत प्रभावशाली प्रतीक बनते हैं। सायण भाष्य में विष्णु के तीन पगों को पृथ्वी, अंतरिक्ष और द्युलोक से संबंधित व्याख्या भी प्राप्त होती है। अतः वामन कथा को सिर्फ राजा और एक ब्राह्मण बालक के बीच भूमि के दान की कथा मान लेना भारी भूल होगी, क्योंकि इस वक्त जिस तरह का नैरेटिव चलाने का प्रयास हो रहा है, उसमें यह भी एक चिंता का विषय है! वस्तुतः यह दृष्टिकोण उसके वैदिक संदर्भ को सीमित कर देता है, जबकि इसके भीतर विराट सत्ता की सर्वव्यापकता का भाव जुड़ा है।

महाबली और तीन पग का रहस्य

श्रीमद्भागवत महापुराण के आठवें स्कंध में वामन भगवान और राजा बलि का प्रसंग विस्तार से आता है। बलि अत्यंत शक्तिशाली और दानी राजा थे। वामन ने उनसे तीन पग भूमि मांगी। बलि ने वचन दे दिया। वामन ने विराट रूप धारण किया और दो पगों में समस्त उपलब्ध क्षेत्र को नाप लिया। अब तीसरे पग के लिए स्थान शेष नहीं था। यही कथा का मोक्ष क्षण है, जिसमें देह की मुक्ति है, भीतर का मोह ब्रह्म से समा जाता है। एकल सत्ता, परासत्ता में विलुप्त हो जाती है, क्षण, विलुप्त हो चुका हुआ है, व्यक्ति, विराट में समा जाता है, वह उसी का स्वरूप बन जाता है। वस्तुतः इस कथा में बलि ने अपना सिर प्रस्तुत करते हुए कहा- 'पदं तृतीयं कुरु शीर्ष्णि मे निजम।' (श्रीमद्भागवत महापुराण, स्कंध 8, अध्याय 22, श्लोक 2) यह वाक्य भारतीय आध्यात्मिक चिंतन में आत्मसमर्पण का अत्यंत प्रभावशाली प्रतीक बन गया। बलि के पास धन था, भूमि थी, सत्ता थी, प्रतिष्ठा थी। दो पगों में सब चला गया। तीसरे पग के लिए उन्होंने अपना सिर दे दिया। अर्थात् बाहरी संपत्ति के बाद स्वयं का अहंकार भी समर्पित कर दिया।

बलि का समर्पण और विष्णु की स्वीकृति

यहां 'बलि' और उसके भाव को व्यापक अर्थों में समझने की आवश्यकता है। सिर्फ दान के अर्थ में जो इस घटनाक्रम को देखेंगे वह शायद इस कथा से बहुत कुछ प्राप्त न कर पाएं। कथा का आध्यात्मिक पक्ष यह है कि मनुष्य जब अपनी संपत्ति को अपना अंतिम सत्य मानता है, तब वामन उसे विराट सत्ता का बोध कराते हैं। पृथ्वी, आकाश और समस्त लोक जिस सत्ता के भीतर हैं, उनके सामने व्यक्तिगत स्वामित्व का अहंकार सीमित हो जाता है। बलि का मस्तक आगे बढ़ाना इसी बोध का प्रतीक है। यह पराजय से अधिक आत्मस्वीकृति है। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके पास ऐसा कुछ नहीं है जो उस विराट सत्ता से बाहर हो। इसी कारण वामन द्वारा तीसरा चरण बलि के सिर पर रखना केवल दंड की घटना नहीं है। भागवत परंपरा में इसके बाद बलि को सुतल लोक का अधिपति बनाए जाने और भगवान द्वारा उनके द्वारपाल बनने की कथा आती है। समर्पण यहां अनुग्रह का द्वार बनता है।

ओणम में अन्न, प्राण और विष्णु का मिलन

अब ओणम के मूल स्वरूप को समझना आसान हो जाता है। फसल अन्न का प्रतीक है। अन्न शरीर का आधार है। शरीर में प्राण जीवन की गति पैदा करता है। प्राण और प्रकृति के पीछे जो विराट व्यवस्था है, भारतीय चिंतन उसे परम सत्ता से जोड़कर देखता है, इसलिए ओणसद्या इस अन्न संस्कृति की सामूहिक अभिव्यक्ति है। पुक्कलम प्रकृति के सौंदर्य का उत्सव है। वल्लमकली सामूहिक ऊर्जा और जीवन के उल्लास को अभिव्यक्त करती है। इस प्रकार ओणम में खेत से घर तक और शरीर से चेतना तक एक निरंतर संबंध दिखाई देता है। अन्न जीवन देता है, प्राण उसे गति देता है और आध्यात्मिक चिंतन मनुष्य को उस व्यापक सत्ता की ओर ले जाता है जिसके सामने बलि अपना मस्तक अर्पित करते हैं।

पंचकोश से आनंदमय कोष तक

तैत्तिरीय उपनिषद की यात्रा अन्नमय से प्राणमय, प्राणमय से मनोमय, मनोमय से विज्ञानमय और अंततः आनंदमय कोष तक पहुंचती है। इस क्रम को ओणम के प्रतीकात्मक अर्थ से जोड़कर देखें तो पर्व की बाहरी समृद्धि धीरे धीरे आंतरिक आनंद की ओर संकेत करती है। अन्न हमें जीवन का आधार देता है। प्राण जीवन को गति देता है। मन अनुभव करता है। विज्ञान विवेक प्रदान करता है और आनंद उस गहरे संतोष की अनुभूति है जिसमें व्यक्ति अपने अस्तित्व को व्यापक सत्य से जोड़ता है। वहीं, अन्नमय कोष मनुष्य को उसकी प्रकृति से जोड़ता है, प्राणमय कोष जीवन की अनुभूति कराता है और आत्मसमर्पण उसे उस विराट चेतना की ओर ले जाता है, जिसे वैदिक परंपरा विष्णु की व्यापकता और त्रिविक्रम सत्ता के रूप में स्मरण करती है।

आज का इतिहास

26 अगस्त 1303 को अलाउद्दीन खिलजी ने चितौडरगढ पर कब्जा किया था.

आज ही के दिन 26 अगस्त 1826 को मेजर गॉर्डन लाईंग टिंबुकु में प्रवेश करने वाले पहले गैर-मुस्लिम बन गए थे.

प्रथम विश्व युद्धः टोगोलैंड की जर्मन उपनिवेश 20 दिनों के अभियान के बाद फ्रांसीसी और ब्रिटिश सेनाओं को 26 अगस्त 1914 को आत्मसमर्पण करती है.

26 अगस्त 1914 को बंगाल के क्रांतिकारियों ने कलकत्ता में ब्रिटिस बेडे पर हमला कर 50 माउजर और 46 हजार राउंड गोलियां लूटी थी.

26 अगस्त 1920 को संयुक्त राज्य संविधान में 19वा संशोधन प्रभावी होता है जिससे महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिलता है.

आज ही के दिन 1940 में चाड फ्रांस के पहले काले औपनिवेशिक फ़ेलिक्स एबोए के प्रशासन के तहत मित्र राष्ट्रों में शामिल होने वाले पहले फ्रांसीसी उपनिवेश राज्यपाल बने थे.

फ्रेंच भाषा के चार्टर क्यूबेक को 26 अगस्त 1977 में राष्ट्रीय असेंबली द्वारा अपनाया गया था.

आज ही दिन 1977 में जर्मनी के शहर म्यूनिख में 20वें ओलंपिक खेलों की शुरूआत हुई थी.

नासा ने 26 अगस्त 1982 टेलीसेट एफ का प्रक्षेपण किया था.

माइकल जानसन द्वारा 26 अगस्त 1999 को 400 मीटर दौड में विश्व रिकार्ड बनाया था.

दक्षिण अफ्रीका के शहर जोहानसबर्ग में आज ही के दिन 2002 में पृथ्वी सम्मेलन की शुरूआत हुई थी.

18 साल से अधिक समय के लिए गायब होने के बाद कैलिफोर्निया में जेड डूगार्ड को अपहरण 26 अगस्त 2009 कर लिया गया था.

26 अगस्त 2011 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर, बोइंग के सभी नए समग्र एयरलाइनर को ईएएसए और एफएए से प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ था.

वर्जीनिया के मोनेटा में एक लाइव रिपोर्ट आयोजित करते समय दो अमेरिकी पत्रकारों को एक सहकर्मी ने 26 अगस्त 2015 को गोली मार दी थी.

आज ही के दिन 1910 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित मदर टेरेसा का युगोस्ला विया में जन्म हुआ था.

हिंदी के विनम्र कथाकार, आलोचक और शोधार्थी कमेंदु शिशिर का 26 अगस्त 1953 जन्म हुआ था.

महिलाएँ लिख रहीं हैं विकास की इबारत

महिला समानता दिवस (26 अगस्त)

लोकेश कुमार

भारत में सल्तनत काल से पहले महिलाओं को पुरुषों के समान कई अधिकार प्राप्त थे। वे सभा और समितियों में अपने विचार रखती थीं लेकिन बाद के दौर में महिलाओं की स्थिति कमजोर होती गई और उन्हें धीरे-धीरे पुरुष प्रधान समाज में वस्तु के समान समझा जाने लगा। आजादी के बाद महिला को भी पुरूष के समान अधिकार दिए जा रहे हैं। ऐसा पहले नहीं था क्योंकि महिला को पुरूष के समान दर्जा नहीं देकर उसे केवल दासी के रूप में देखा जाता था। सन 1920 में अमेरिकी संविधान के 19वें संशोधन को लागू किए जाने के बाद ही महिला को पुरूष के समान दर्जा देते हुए उन्हें वोट देने का अधिकार प्रदान किया गया। इसी की याद में 26 अगस्त को महिला समानता दिवस मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं को उनके नागरिक अधिकार और वोट देने की कानूनी ताकत मिलने की ऐतिहासिक सफलता का जश्न मनाया जाता है। यह उन सभी साहसी महिलाओं और उनके संघर्षों को सम्मान देता है, जिन्होंने दशकों तक समानता की लड़ाई लड़ी। यह दिन हमें यह सोचने को मजबूर करता है कि समाज में महिलाओं को और कौन-से अधिकार मिलने बाकी हैं।

यह कार्यस्थल, शिक्षा और राजनीति में महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को खत्म करने और आगे की प्रगति के लिए प्रेरित करता है। भारतीय संविधान में 73वां, 74वां संविधान संशोधन करके महिलाओं को पंचायती राज और नगर निकाय में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया। जिससे पंचायत राज और नगर निकाय में महिलाओं को जनप्रतिनिधि होने का मौका मिला। वह पुरूष समाज के सामने महिलाओं का प्रतिनिधित्व होना बहुत मुश्किल है। इसलिए पंचायती राज और नगर निकाय में आरक्षण व्यवस्था महिलाओं के लिए ऐतिहासिक कदम रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। महिला आरक्षण (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) के तहत यह कानून लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देता है।

सितंबर, 2023 में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' (128वां संविधान संशोधन विधेयक) संसद के दोनों सदनों से ऐतिहासिक बहुमत के साथ पारित कराया गया । यह प्रावधान आगामी परिसीमन और चुनावों की प्रक्रिया के अनुसार लागू होने की दिशा में आगे बढ़ाया गया है। महिलाओं को सशक्त और सुरक्षित बनाए रखने के लिए कई महत्वपूर्ण कानूनी अधिकार प्रदान किए गए हैं। जिनमें महिलाओं को 10 महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान किए गए हैं। समान वेतन का अधिकार समान पारिश्रमिक अधिनियम के अनुसार, महिलाओं को पुरुषों के समान काम के लिए समान वेतन पाने का अधिकार प्रदान किया गया है लेकिन आज भी निजी कम्पनियों में महिलाओं को पुरूष से कम ही वेतन दिया जाता है।

मातृत्व लाभ का अधिकारः मातृत्व लाभ अधिनियम के तहत गर्भवती महिलाओं को बच्चे के जन्म से पहले और बाद में 26 सप्ताह तक के सवैतनिक (पेड) अवकाश का भी अधिकार प्रदान किया गया है।

कार्यस्थल पर सुरक्षा कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम महिलाओं को कार्यालयों या कार्यस्थलों पर किसी भी प्रकार के यौन उत्पीड़न से बचाने के लिए कार्यस्थल पर सुरक्षा प्रदान की गई है। लेकिन कानून बनने के बाद भी महिलाओं कार्यालयों में यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। घरेलू हिंसा के खिलाफ अधिकारघरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम महिलाओं को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और मौखिक हिंसा से सुरक्षा प्रदान करता है। घरेलू हिंसा में महिलाओं को शिकार बनाया जाता है। पैतृक सम्पत्ति में अधिकार हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के संशोधन के अनुसार, बेटियों को भी बेटों की तरह पैतृक संपत्ति में समान अधिकार प्रदान किया गया है लेकिन महिलाएं अपना हक मांग लेती हैं तो भाइयों द्वारा उनके सम्मान में कमी कर दी जाती है। मुफ्त कानूनी सहायता महिलाओं को अपनी न्याय की लड़ाई के लिए बिना किसी आर्थिक बाधा के मुफ्त वकील और कानूनी सहायता पाने का अधिकार प्रदान किया गया है। महिलाओं को गिरफ्तारी से जुड़े विशेष संरक्षणः कानून के अनुसार, किसी भी महिला को सूर्यास्त के बाद और सूर्योदय से पहले गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है। जीरो एफआईआर दर्ज कराने का अधिकारकोई भी महिला किसी भी पुलिस स्टेशन में अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है, भले घटना किसी अन्य क्षेत्र में क्यों न हुई हो। क्योंकि महिला को यह अधिकार दिया गया है कि जहां उसके साथ घटना घटी है, वह उस थाना क्षेत्र में अधिकार में रिपोर्ट दर्ज कराने से मुक्ति मिल गई है। वहीं, कहीं अपनी शिकायत दर्ज करवा सकती है।

पहचान गुप्त रखने का अधिकारयौन उत्पीड़न या बलात्कार पीड़ित महिला की पहचान को कानूनी रूप से पूरी तरह गुप्त रखने का अधिकार प्रदान किया गया है। उसका नाम और फोटो मीडिया में प्रकाशित नहीं कर सकते हैं। पुलिस थाने में पूछताछ के लिए नहीं बुलाया जाना आपराधिक प्रक्रिया के तहत पुलिस किसी महिला को पूछताछ के लिए थाने में हाजिर होने के लिए बाध्य नहीं कर सकती, पूछताछ उसके निवास स्थान पर होगी। महिलाओं को समानता के लिए निरंतर संघर्ष अमेरिकी महिलाओं को वोट देने का अधिकार तो मिल गया था लेकिन उन्हें रोजगार और शिक्षा के साथ-साथ अन्य विषयों पर कई तरह की असमानताओं का सामना करना पड़ा। 26 अगस्त, 1970 को राष्ट्रीय महिला संगठन की सह-संस्थापक, कार्यकर्ता बेट्टी फ्रीडन ने समानता के लिए देशभर में महिलाओं के समूह बनाकर हड़ताल को अंजाम दिया। उस समय, महिलाओं की समानता हड़ताल संयुक्त राज्य अमेरिका में लैंगिक समानता के लिए सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन माना जाता है। देशभर के नब्बे से अधिक शहरों में एक लाख से अधिक महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विरोध प्रदर्शन के साथ ही इन समूहों ने कई ऐसी घटनाओं का अंजाम दिया। जिससे महिलाओं के अधिकारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में कामयाबी मिली। न्यूयॉर्क शहर में फिफ्थ एवेन्यू पर लगभग पचास हज़ार महिलाओं ने एक साथ मार्च निकाला।

महिलाओं के एक समूह ने न्यूयॉर्क में स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी पर चढ़कर उसके शिखर पर बैनर भी लटका दिए। उन बैनरों पर लिखा था, 'विश्व की महिलाएं एकजुट हों' और 'समानता के लिए 26 अगस्त को मार्च करें।' महिलाओं के एक समूह ने अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज की घड़ी रोकने पर मजबूर कर दिया, जबकि दूसरे समूह ने बाहर 'हम अब और बकवास बर्दाश्त नहीं करेंगे' लिखे बैनरों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। ये ऐसी महत्वपूर्ण घटनाएं हैं जो महिलाओं को अपनी आजादी दिलाने में कामयाब नजर आई। इसी दिन, महिलाओं के एक समूह ने महिला स्कूल प्रशासकों के लिए समान वेतन पाने के लिए न्यूयॉर्क सिटी बोर्ड ऑफ एजुकेशन के खिलाफ मुकदमा दायर कर दिया था।

यह मुकदमा लगभग दस साल तक अदालतों में चला लेकिन अंततः महिलाएं पुरूष प्रधानाचार्यों के लिए वेतन वृद्धि हासिल करने में सफल रहीं। कई लोगों ने इन घटनाओं पर ध्यान दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने उस दिन शहर भर में आयोजित कई घटनाओं को कवर किया और महिला आंदोलन पर अपना पहला लेख प्रकाशित किया। 1971 में, न्यूयॉर्क की डेमोक्रेट प्रतिनिधि बेला अब्जुग ने 26 अगस्त को महिला समानता दिवस के रूप में नामित करने के लिए एक विधेयक पेश किया गया। विधेयक पारित हो गया। इसके बाद से संयुक्त राज्य अमेरिका में कई महिला समूहों द्वारा इस दिन महिला समानता दिवस प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इनमें से कई समूह महिलाओं के मताधिकार और 1970 की महिला समानता हड़ताल की याद में विशेष कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इक्कीसवीं सदी में भी, संयुक्त राज्य अमेरिका में महिलाओं को राजनीति, शिक्षा, रोजगार और अन्य क्षेत्रों में लैंगिक असमानता का सामना करना पड़ता है। उनके साथ भेदभाव किया जाता है। उन्हें स्वास्थ्य सेवा, गरीबी, हिंसा, सुरक्षा और प्रजनन अधिकारों से सम्बंधित संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है।

महिला समानता दिवस उन पीढ़ियों की महिलाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता है जिन्होंने मताधिकार के लिए लंबे संघर्ष में विरोध, बलिदान और कठिनाइयों का सामना किया। यह सुनिश्चित करता है कि उनके साहस, दृढ़ता और संकल्प को स्थापित किया जाए और उन आंदोलन के इतिहास को याद रखा जाए और मान्यता दी जाए। हमें यह याद दिलाता है कि समानता की खोज 19वें संशोधन के साथ समाप्त नहीं हुई। महिला समानता दिवस हमें अब तक हुई प्रगति और पूर्ण समानता प्राप्त करने के लिए शेष कार्यों पर विचार करने के लिए हमेशा प्रेरित करता रहेगा।(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष- कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष- कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन- सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क- कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगाा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह- रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या- ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला- विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक- कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु- आलस्य का त्याग करें। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर- जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुम्भ- लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन- अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

पुराने वाहनों पर परिवहन विभाग का शिकंजा, 32 गाड़ियां जब्त

गाजियाबाद। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रदूषण पर अंकुश लगाने और नियमों का पालन कराने के लिए परिवहन विभाग ने उम्र पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। मंगलवार को गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर (नोएडा), बुलंदशहर और हापुड़ में प्रवर्तन टीमों का गठन किया गया है। इसके तहत 10 साल से अधिक पुराने डीजल और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों को जब्त कर सीधे अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर भेजा जा रहा है। गाजियाबाद में बीते दो दिनों में कार्रवाई करते हुए 32 ऐसे वाहनों को जब्त कर स्क्रैप सेंटर भेजा गया। परिवहन विभाग ने रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी के संचालकों के साथ मंगलवार को अहम बैठक की। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि जब्त किए गए पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग नियमानुसार और तय समयसीमा के भीतर पूरी की जाए और इसका पूरा ब्योरा सुरक्षित रखा जाए। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन अमित राजन राय ने बताया कि विशेष टीमें यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय बनाकर सघन चेकिंग कर रही हैं। अभियान का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि तय आयु पूरी कर चुका कोई भी वाहन एनसीआर की सड़कों पर न दौड़े।

केमिकल इस्तेमाल के शक में 300 किलो रसगुल्ला कराया नष्ट

गाजियाबाद। रक्षाबंधन से पहले मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थ में मिलावट न हो सके इसके लिए चल रहे अभियान के तहत मंगलवार को चार स्थानों पर कार्रवाई की गई और 300 किलोग्राम रसगुल्ला नष्ट कराया गया। इसके अलावा 10 सैंपल भी एकत्र किए गए, जिनको जांच के लिए लखनऊ लैब भेजा गया है। इससे पहले सोमवार को भी कार्रवाई करके क्रासिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र के भीमनगर में कार्रवाई करते हुए 10 क्विंटल छेना नष्ट कराया गया था। अभी तक टीम ने कुल 14 सैंपल एकत्र कर जांच के लिए भेजे हैं। सहायक आयुक्त खाद्य सुरेश कुमार मिश्र ने बताया कि मुकीमपुर में टीम ने कार्रवाई की। मौके पर 300 किलोग्राम रसगुल्ला नष्ट कराया गया। रसगुल्ले के रस को साफ करने के लिए और रसगुल्ले के रंग को चमकदार बनाने के लिए केमिकल का प्रयोग किए जाने के शंका पर यह कार्रवाई की गई है।

रोडरेज में कार सवारों ने ट्रैक्टर चालक के साथ मारपीट की

साहिबाबाद। रोडरेज के बाद कार सवारों ने ट्रैक्टर चालक के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले की शिकायत घायल के परिजनों ने पुलिस से की है। जावली निवासी मोहित ने पुलिस को बताया कि 12 अगस्त की सुबह करीब 10 बजे वह खेत से ट्रैक्टर-ट्रॉली में चारा लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के ही अनूप, पुरु, प्रिंस और सिद्धार्थ कार से पीछे से आए और साइड मांगने लगे। मोहित ने कहा कि आगे पर्याप्त जगह नहीं है, दो मिनट में साइड करता हूं। कुछ ही पल बाद कार सवार आगे आए और रुककर उन पर हमला बोल दिया। मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया और फरार हो गए। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बदहाल सड़कों के खिलाफ हिंदू रक्षा दल ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

लोनी। क्षेत्र की बदहाल सड़कों, जलभराव और जाम की समस्या को लेकर हिंदू रक्षा दल की टीम ने मंगलवार को उप जिलाधिकारी लोनी दीपक कुमार को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने लोनी -बंथला मुख्य मार्ग, शिव विहार मेट्रो स्टेशन से ट्रोनिका सिटी थाना मार्ग तथा गाजियाबाद -बंथला मार्ग पर कस्बा चौकी के सामने सड़क की स्थिति सुधारने की मांग की। हिंदू रक्षा दल के संगठन मंत्री अमित प्रजापति ने कहा कि कई स्थानों पर सड़क पर गहरे गड्ढे हैं और बारिश के बाद इनमें पानी भर जाता है।

स्क्रैप कारोबारी से 24.85 लाख की डकैती में पांच आरोपी गिरफ्तार, नौ फरार

गाजियाबाद। वेव सिटी क्षेत्र में 21 अगस्त की रात मेरठ के स्क्रैप कारोबारी गिलमान से हुई 24.85 लाख रुपये की डकैती में वेव सिटी थाना पुलिस, नगर जोन स्वाट और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने पांच आरोपी गिरफ्तार किए हैं। इनमें से दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में पकड़े गए, दोनों पैर में गोली लगने से घायल हुए हैं। नौ अन्य आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस की टीमें उनकी तलाश में दबिश दे रही हैं। 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने और कई संदिग्धों से पूछताछ के बाद पुलिस गिरोह तक पहुंची।

डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने मंगलवार को घटना का खुलासा करते हुए बताया कि वारदात में कुल 14 लोग शामिल थे। इनमें अर्थला (साहिबाबाद) और मेरठ के दो अलग-अलग परिवारों के सात सगे भाई भी शामिल हैं। पुलिस ने सोमवार देर रात मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों मेरठ के लिसाड़ी गेट के फतेहउल्लाहपुर रोड निवासी आसिफ और साहिबाबाद के अर्थला निवासी सद्दाम को गिरफ्तार किया। दोनों के पैर में गोली लगी। दोनों को उपचार के बाद जेल भेज दिया गया। उनके पास से दो तमंचे, एक बाइक और लूट की रकम में से पांच लाख रुपये बरामद हुए।

उनकी निशानदेही पर मंगलवार को चेकिंग के दौरान तीन अन्य आरोपियों साहिबाबाद के न्यू हिंडन विहार स्थित हज हाउस कॉलोनी निवासी आस मोहम्मद, अर्थला निवासी ओसामा और नदीम को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 5.05 लाख रुपये बरामद हुए। छह संदिग्ध अभी पुलिस हिरासत में हैं, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपियों में ओसामा और सद्दाम सगे भाई हैं। इनके दो भाई भी वारदात में शामिल थे, जो फरार हैं।

दिल्ली में डेटा से बदलेगा गवर्नेंस का तरीका, एआई से जुड़ेंगे विभाग

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने प्रशासनिक डेटा को एआई के अनुकूल बनाने और विभिन्न विभागों के डेटा सिस्टम को आपस में जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित उच्चस्तरीय वर्कशॉप में योजना विभाग और एकस्टेप फाउंडेशन के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल के तहत डेटा धारा टूलकिट और विजन पेपर लॉन्च किया गया, जिसके माध्यम से सरकारी डेटा को व्यवस्थित, भरोसेमंद और इंटरऑपरेबल बनाकर नागरिकों को जरूरत के मुताबिक समय पर बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री और योजना मंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को हामोर्नाइजेशन एंड इंटरलिंकिंग ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव डेटा फॉर एआई-रेडी गवर्नेंस विषय पर वर्कशॉप आयोजित की गई।

इसमें दिल्ली सरकार के सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप में डेटा के बेहतर इस्तेमाल के जरिए दिल्ली में तथ्यों के आधार पर फैसले लेने, लोगों की जरूरत के अनुसार पहले से सेवाएं उपलब्ध कराने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने वाली सरकारी व्यवस्था को मजबूत करने पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि एआई का लाभ उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। डेटा एआई का फ्यूल है और डेटा को नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए उपयोगी बनाना आवश्यक है। एकस्टेप फाउंडेशन दिल्ली सरकार के लिए नॉलेज पार्टनर के रूप में अपने ओपन फ्रेमवर्क्स और विशेषज्ञता साझा करेगा इस दौरान दिल्ली सरकार के योजना विभाग और एकस्टेप फाउंडेशन के बीच प्रशासनिक डेटा के क्षेत्र में सहयोग के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर भी किए गए। इसके तहत दोनों संस्थाएं दिल्ली के सरकारी डेटा को एआई के इस्तेमाल के लिए तैयार करने और एआई की मदद से नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाने वाले विभिन्न उपयोग के मामलों पर मिलकर काम करेंगी। इस अवसर पर सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव श्री सौरभ गर्ग, दिल्ली के मुख्य सचिव श्री राजीव वर्मा, एकस्टेप फाउंडेशन के सह-संस्थापक और सीईओ श्री शंकर मारुवाड़ा समेत अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

नेफेड से सस्ती-प्याज खरीदेगी सरकारः रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चीनी और प्याज के व्यापारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जमाखोरी के खिलाफ सख्ती से सरकार पेश आएगी। दिल्ली में प्याज और चीनी की कीमतें बढ़ती हैं तो सरकार नेफेड से प्याज और चीनी खरीदकर सस्ती दर लोगों को मुहैया कराएगी। सरकार की जमाखोरों पर नजर है। यह जानकारी मुख्यमंत्री ने एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद दी। बैठक में विभागीय मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी थे। सिरसा ने कहा है कि आम जनता पर महंगाई का बोझ नहीं पड़ने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में प्याज और चीनी की बढ़ती कीमतों पर बैठक में समीक्षा की गयी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्याज और चीनी की बढ़ती कीमतों का बोझ आम लोगों पर नहीं पड़ने दिया जाएगा। सरकार नेफेड से खरीद कर उसी दर पर मुहैया कराएगी। बैठक में विभागीय अधिकारियों से कीमतों की नियमित निगरानी करने को कहा और कीमतें बढ़ने पर कार्य योजना तैयार करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि नेफेड से संपर्क बनाए रखें, जिससे नेफेड किसानों से सीधे प्याज औ चीनी खरीद की प्रक्रिया शुरू करे। जहां इसकी कमी है दिल्ली को मिलने वाली प्याज की आपूर्ति भी बाजार से उचित तरीके से पहुँचे और जमाखोरी न्हो।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि सरकार की कोशिश है कि बढ़ती कीमतों पर बोझ आम लोगों पर न पड़े। नेफेड से जिस कीमत पर प्याज मिलेगी, उसी दर पर आम लोगों को उपलब्ध कराया जाएगा। जमाखोरों पर नजरः मंडी सिरसा ने कहा सरकार जमाखोरों पर नजर बनाए हुए है। जमाखोरी मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

स्वाइन फ्लू : दिल्ली में 2308 मरीज, नोएडा में 24 घंटे में बढ़े आठ गुना केस; एनसीआर के अस्पताल अलर्ट मोड में

दिल्ली: दिल्ली-एनसीआर में स्वाइन फ्लू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। दिल्ली में बीमारी के मामले बढ़कर 2,308 व इन्फ्लुएंजा ए+बी के 3,000 हो गए हैं। वहीं, गौतमबुद्ध नगर जिले में मंगलवार को एक ही दिन में 105 नए मामले सामने आने से हड़कंप मच गया।

राजधानी में मौसमी फ्लू और वेक्टर जनित बीमारियों के बढ़ते मामलों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने अंतर-विभागीय समीक्षा बैठक के बाद कहा कि सभी अस्पताल अलर्ट पर हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष एच1एन1 प्रमुख सबटाइप हैं,

जबकि पिछले साल एच3एन2 थे। वहीं, डेंगू के 570 और मलेरिया के 215 केस मिले हैं। राहत की बात है कि डेंगू-मलेरिया से इस साल कोई मौत नहीं हुई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पतालों की तैयारी, सर्विलांस, दवाओं और टेस्टिंग सुविधाओं की समीक्षा की। कहा, तैयारियां सिर्फ रिपोर्ट और आंकड़ों तक सीमित न रहें, असर जमीन पर दिखना चाहिए। पिछले हफ्ते केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के साथ बैठक में केंद्र सरकार ने पूरा सहयोग का आश्वासन दिया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, केंद्र की एडवाइजरी सभी अस्पतालों और विभागों को भेज दी गई है। एएलआई/एचएआरआई सर्विलांस को और मजबूत किया जाएगा। मामलों की जल्द पहचान, समय पर रिपोर्टिंग और एंटीवायरल दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

डेंगू-मलेरिया नियंत्रण के लिए स्प्रेइंग और फॉगिंग तेज करने को कहा गया है।

गौतमबुद्ध नगर जिले में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या सिर्फ 24 घंटे आठ गुना बढ़कर 120 पहुंच गई।

सोमवार तक जिले में सिर्फ 15 मरीज थे। मरीजों की संख्या में तेज वृद्धि को देखते हुए सख्त गाइडलाइन जारी की गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. मदन मोहन मणि त्रिपाठी के मुताबिक, मंगलवार को आए सभी मामलों की जांच निजी अस्पतालों में कराई गई है।

सरकारी से निजी अस्पताल में गर्भवती को भेजने का आरोप

गाजियाबाद। जिला महिला अस्पताल में प्रसव के लिए पहुंच रही गर्भवती को जीटीबी दिल्ली रेफर करने के नाम पर निजी अस्पतालों में भर्ती कराने का मामला सामने आया है। विजय नगर क्षेत्र के चरण सिंह कॉलोनी निवासी योगेश कुमार ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से शिकायत कर आरोप लगाया है कि निजी अस्पताल में इलाज के नाम पर करीब एक लाख रुपये वसूल किए गए। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले में कमीशनखोरी और मिलीभगत की आशंका जताते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की है। सीएमओ को दिए शिकायती पत्र के अनुसार योगेश कुमार की पत्नी कविता को प्रसव के लिए जिला महिला अस्पताल लाया गया था। आरोप है कि अस्पताल से उन्हें जीटीबी अस्पताल दिल्ली रेफर कर दिया गया। इसी दौरान सुनीता नाम की आशा कार्यकर्ता ने दिल्ली जाने से रोकते हुए प्रताप विहार के निजी अस्पताल में इलाज कराने की सलाह दी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आशा कार्यकर्ता की ओर से निजी अस्पताल में करीब 35 हजार रुपये में इलाज होने की बात कही गई थी। अस्पताल पहुंचने के बाद इलाज के नाम पर करीब एक लाख रुपये की राशि वसूल ली गई। योगेश ने आशा कार्यकर्ता और सरकारी अस्पताल के बीच मिलीभगत की आशंका जताई है। उन्होंने सीएमओ से सरकारी अस्पताल के कर्मचारियों, आशा कार्यकताओं और निजी अस्पताल के बीच कथित कमीशनखोरी की जांच कराने की मांग की है। साथ ही धमकी देने के आरोप की भी जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने रेफरल पर्ची, अस्पताल के बिल और भुगतान से जुड़े दस्तावेज जांच के लिए उपलब्ध कराने की बात कही है।

पानी में करंट उतरने से हुई गोवंश की मौत

वसुंधरा। सेक्टर-1 में मंगलवार की शाम हुई बारिश के दौरान सड़क पर भरे पानी में विद्युत पोल से करंट उतरने से एक गाय की मौत हो गई। पशु की मौत के बाद लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पार्षद को दी और ऊर्जा निगम अधिकारियों को भी दी, इसके बाद विद्युत कनेक्शन कटवाया गया। सेक्टर-1 निवासी शरद सारस्वत बताया कि यहां हल्की बारिश में भी पानी भर जाता है। गाय की जगह वहां किसी और की भी जान जा सकती थी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को बारिश के बाद पानी भरा हुआ था। पास में लगे खंभे और अर्थ के तार से पानी में करंट उतर गया। इस दौरान वहां आकर बैठी गाय करंट की चपेट में आई और उसकी मौत हो गई। लोगों का कहना है कि सड़क पर पानी भरा होने के कारण वहां से गुजरने वाले लोगों और बच्चों को भी खतरा बना हुआ है। उन्होंने इलाके में लगे सभी खंभे, तार आदि की जांच कराने तथा करंट की समस्या दूर कराने की मांग की है। वहीं, इस मामले में ऊर्जा निगम जोन-3 के मुख्य अभियंता बृजेश कुमार का कहना है कि शिकायत मिली थी, जिसके बाद टीम भेज कर रिपोर्ट मांगी गई है।

दुकान का शटर काटने के आरोप में दुकान मालिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

साहिबाबाद। जीटी रोड स्थित दुकान का शटर काटने के आरोप में किरायेदार ने दुकान मालिक समेत अन्य के खिलाफ साहिबाबाद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। किरायेदार ने आरोप लगाया है कि दुकान में चोरी भी की गई हैं। संजीव गुप्ता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी दुकान साहिबाबाद के जीटी रोड पर स्थित है। 21 अगस्त की दोपहर दुकान बंद थी। आरोप है कि नीलम दुबे पति और कुछ लोगों के साथ आईं और कटर से शटर कटवा दिया। रोकने पर धमकी दी। आरोप है कि 22 अगस्त की रात पिंटू कुमार दुबे दुकान के पास आया और कार की पिछली सीट से किरायानामा, संपत्ति के कागजात और पुलिस, प्रशासन व अदालत में दी गई शिकायतों की प्रतियां ले गया। घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसकी फुटेज भी उन्होंने पुलिस को दी है। एसीपी साहिबाबाद अतुल कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर नीलम दुबे, उनके पति पिंटू कुमार दुबे समेत अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

बेटी का इलाज कराने पहुंचे पिता ने इमरजेंसी में अपना गला काटा, रेफर

गाजियाबाद। एमएमजी अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती बेटी के इलाज के दौरान दंपती में हुए आपसी विवाद में पति ने ब्लेड से अपना गला काट लिया। गंभीर रूप से घायल पिता को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया, जबकि उसकी बेटी का इलाज अस्पताल की इमरजेंसी में चल रहा है। इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि विजय नगर निवासी लक्ष्मण की पत्नी अनु मंगलवार सुबह करीब 11 बजे बेटी अनन्या की तबीयत खराब होने पर अस्पताल में आई थी। बच्ची को उल्टी-दस्त हो रहा था। गंभीर हालात को देखते हुए बच्ची को इमरजेंसी में भर्ती कर लिया गया। करीब चार बजे लक्ष्मण अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचा। यहां किसी बात को लेकर पत्नी से कहासुनी हो गई। उसके बाद आवेश में आकर लक्ष्मण ने अपने पास मौजूद ब्लेड से गला काट लिया। गला कटने से खून निकलने लगा और इमरजेंसी में अफरा-तफरी मच गई।

रक्षाबंधन पर नमो भारत लगाएगी 47 अतिरिक्त फेरे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम रक्षाबंधन के त्योहार को ध्यान में रखते हुए दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर यात्रियों की सुविधा बढ़ाई है। 27 और 28 अगस्त को नमो भारत ट्रेन की 47 अतिरिक्त ट्रेन ट्रिप्स चलाई जाएंगी। इससे त्योहार के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को आसानी से संभाला जा सकेगा। इन अतिरिक्त ट्रिप्स के साथ, दोनों दिन नमो भारत ट्रेनें हर 8 मिनट में उपलब्ध होंगी। इन्हें पूरे नमो भारत कॉरिडोर, यानी सराय काले खाँ से मोदीपुरम स्टेशन के बीच परिचालित किया जाएगा, जिससे त्योहार के समय लोगों के लिए यात्रा के अधिक विकल्प उपलब्ध हो सकेंगे। रक्षाबंधन पर अपने भाइयों को राखी बांधने जा रही महिलाओं को इन अतिरिक्त ट्रेन ट्रिप्स से विशेषकर लाभ होगा।

साथ ही, अपने परिवार के साथ त्योहार मनाने और परिजनों से मिलने जा रहे लोगों के लिए भी यह सुविधा प्रदान करेगी। 28 अगस्त को शुक्रवार होने के कारण कई लोगों को लंबे वीकेंड का आनंद लेने का भी अच्छा मौका मिलेगा।

अक्सर, ऐसे त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने परिवारों और रिश्तेदारों से मिलने के लिए यात्रा करते हैं, जिससे सड़कों पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसे में नमो भारत जैसी आरामदायक सार्वजनिक परिवहनप्रणालीउन्हेंएकआरामदायक यात्रा विकल्प प्रदान कर उनकी यात्रा को सुगम बनाएगी।

ससुराल गए युवक ने जहरीला पदार्थ निगला, केस दर्ज

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के सैन विहार में पत्नी को लेने ससुराल पहुंचे फरीदाबाद निवासी युवक ने 27 जून को जहरीला पदार्थ खा लिया। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी 28 जून को मौत हो गई। मामले में युवक के पिता समय सिंह ने क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में उसके ससुरालियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए कृष्णपाल, ओमवती, प्रियंका, चंद्रपाल, प्रवेश और आशीष के खिलाफ केस दर्ज कराया है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि फरीदाबाद के बल्लभगढ़ के गांव झारसेतली में रहने वाले समय सिंह के मुताबिक उनके बेटे मनोज सोलंकी का अपनी पत्नी और ससुरालियों से पिछले छह-सात महीने से पारिवारिक विवाद चल रहा था। 27 जून को मनोज करीब शाम छह बजे अपनी पत्नी को लेने क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में सैन विहार स्थित अपनी ससुराल गया था। रात करीब साढ़े नौ बजे के बीच मनोज ने अपने परिचित अरुण कुमार को फोन किया।

विकसित भारत, मोदी गारंटी और ब्रह्मोस राखियां बनीं पहली पसंद : खंडेलवाल

नई दिल्ली। रक्षाबंधन में अब महज चार दिन शेष हैं और दिल्ली समेत देशभर के बाजारों में राखी व त्योहार से जुड़ी खरीदारी ने जोर पकड़ लिया है। चांदनी चौक, सदर बाजार, करोल बाग और लाजपत नगर समेत प्रमुख बाजारों में ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। इस बार पारंपरिक राखियों के साथ विकसित भारत, ब्रह्मोस, नारी वंदन और आत्मनिर्भर भारत जैसी थीम वाली स्वदेशी राखियां भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। शाम के समय बाजारों में विशेष रौनक है और व्यापारियों के अनुसार इस वर्ष रक्षाबंधन का उत्साह पिछले वर्षों की तुलना में कहीं अधिक दिखाई दे रहा है वहीं देश भर के अन्य राज्यों के बाजारों में भी राखी की त्यौहारी खरीदारी को लेकर ग्राहकों में भारी

उत्साह है। इसी क्रम में आज चांदनी चौक के सांसद एवं कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल के कार्यालय में महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों तथा कारीगरों ने देशभक्ति एवं राष्ट्र निर्माण की भावना से प्रेरित विशेष थीम आधारित राखियों के निर्माण का लाइव प्रदर्शन किया। इस अवसर पर महिला कारीगरों ने अपने हाथों से तैयार अनूठी राखियों का प्रदर्शन भी किया। खंडेलवाल ने कहा कि इस वर्ष पारंपरिक राखियों के साथ-साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं, भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा तथा 'विकसित भारत-2047' के संकल्प से प्रेरित राखियां विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। विशेष रूप से 'विकसित भारत राखी', 'मोदी गारंटी राखी', 'ब्रह्मोस राखी', 'नारी वंदन राखी', 'आत्मनिर्भर भारत राखी', 'वोकल फॉर लोकल राखी', 'भारत गौरव राखी', 'लखपति दीदी राखी', 'नमामि गंगे राखी', 'राष्ट्र रक्षा सूत्र राखी' और 'अमृतकाल राखी' की मांग लगातार बढ़ रही है।

उन्होंने बताया कि युवाओं और बच्चों में विशेष रूप से 'ब्रह्मोस राखी', 'राष्ट्र रक्षा सूत्र राखी' और 'विकसित भारत राखी' को लेकर असाधारण उत्साह देखा जा रहा है। वहीं महिलाओं के बीच 'नारी वंदन राखी' तथा 'लखपति दीदी राखी' विशेष लोकप्रिय हो रही हैं, जो महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का संदेश दे रही हैं।

कैट को देशभर के व्यापारिक संगठनों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार इस वर्ष रक्षाबंधन पर केवल राखियों का कारोबार लगभग 25 हजार करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि अकेले दिल्ली में यह कारोबार 4 हजार करोड़ के आसपास रहने की संभावना है। यदि उपहार, मिठाइयों, परिधानों, इलेक्ट्रॉनिक्स, सजावटी वस्तुओं, ड्राई फ्रूट्स, पूजा सामग्री और अन्य त्योहारी उत्पादों को भी शामिल किया जाए तो रक्षाबंधन से संबंधित कुल व्यापार 30 हजार करोड़ से अधिक होने की संभावना है।

इस वर्ष बाजारों में उपहार पैकेज, चॉकलेट हैम्पर, ड्राई फ्रूट गिफ्ट बॉक्स, हस्तशिल्प उत्पाद, एथनिक परिधान और पारंपरिक मिठाइयों की बिक्री में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा रही है। ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स की मौजूदगी के बावजूद बड़ी संख्या में उपभोक्ता स्थानीय बाजारों में जाकर खरीदारी करना पसंद कर रहे हैं, जिससे बाजारों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

गैर-मिजो से शादी पर छिन जाते हैं महिलाओं के अधिकार, मिजोरम के मैरिज एक्ट के खिलाफ SC में याचिका दायर

आइजोल, एजेंसी। एंटरप्रेन्योर और कांग्रेस नेता मेरियम एल. ह्मांगचल ने सोमवार, 24 अगस्त को मिजो मैरिज, डिवोर्स एंड इनहेरिटेंस ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट, 2014 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है।मेरियम का मानना है कि इस कानून के तहत मिजोरम की महिलाओं से अधिकार छीन लिए गए हैं, अगर वह जो मिजो समुदाय से बाहर शादी करती हैं।

महिलाओं को नहीं मिल रहे अधिकार: लाल थनहवला की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार के बनाए गए इस कानून को मेरियम ने महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण बताया और कहा कि ये कानून पूरी तरह मिजो पुरुषों के पक्ष में है। पूर्व डिप्टी सीएम लालहमिंगथांगा की बेटी मेरियम ह्मांगचल ने सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच को बताया कि यह कानून, जिसने पारंपरिक कानूनों को कानूनी रूप दिया था, मिजो जनजाति के किसी भी व्यक्ति पर लागू होता है और उन शादियों पर भी लागू होता है जिनमें पुरुष मिजो जनजाति का हो। मेरियम ने कोर्ट को बताया कि 2014 का यह कानून उन मिजो महिलाओं को शादी, संपत्ति और विरासत से जुड़े व्यापक सामुदायिक कानूनी ढांचे का लाभ नहीं देता है जो मिजो समुदाय से बाहर शादी करती हैं। मेरियम ने महिलाओं के इन कानूनों के हनन से यह संविधान के आर्टिकल 14 और 21 के तहत उनके समानता, सम्मान और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करता है। मिजो महिला के गैर-मिजो पुरुष से शादी करने पर सवाल मेरियम ने अपने खुद के वैवाहिक रिश्ते का उदाहरण देते हुए बताया कि यह कानून मिजो महिलाओं की स्वतंत्र पहचान को कमतर करता है और उन्हें 2014 के कानून के तहत मिलने वाले फायदों से वंचित रखता है। यह कानून मिजो पुरुष और गैर-मिजो महिला के बीच शादी पर तो लागू होता है, लेकिन मिजो महिला और गैर-मिजो पुरुष के बीच शादी को इसमें शामिल नहीं करता है। मेरियम ने कोर्ट को बताया, ऐसे प्रावधानों का असर यह होता है कि जो मिजो महिलाएं गैर-मिजो पुरुषों से शादी करती हैं और ऐसी शादियों से पैदा होने वाले बच्चे, मिजो समुदाय से जुड़े होने के बावजूद इस कानूनी व्यवस्था से बाहर रह जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट को दिए निर्देश

सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि उनकी याचिका में उठाया गया मुद्दा महत्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट ने मेरियम से पूछा कि वह हाई कोर्ट क्यों नहीं गईं। इस सवाल पर मेरियम के वकील ने कहा कि समुदाय छोटा होने के कारण, उन्हें डर था कि अगर उनकी याचिका पर गुवाहाटी हाई कोर्ट की आइजोल बेंच सुनवाई करती है तो उनकी सुरक्षा को खतरा हो सकता है। बेंच ने मेरियम की चिंता को समझा और गुवाहाटी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से अनुरोध किया कि वे उनकी याचिका को आइजोल बेंच को भेजे बिना गुवाहाटी में ही सुनें।

अरुणाचल प्रदेश में ठेके आवंटन का मामला, सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से मांगी नई स्टेटस रिपोर्ट

ईटानगर, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से कहा कि वह अरुणाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री पेमा खांडू के परिवार के सदस्यों से संबंधित या जुड़े हुए फर्मों को ठेके के पक्षपाती आवंटन के आरोपों की प्रारंभिक जांच पर एक ताजा स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करे। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने पीठ को सोमवार को बताया कि उसने सीबीआई को आवश्यक रिकॉर्ड और दस्तावेज प्रदान करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश का पालन किया है। पिछले महीने शीर्ष अदालत में प्रस्तुत की गई स्थिति रिपोर्ट में सीबीआई ने आरोप लगाया था कि राज्य अदालत द्वारा निर्देशित रिकार्ड प्रदान करने में सहयोग नहीं कर रहा है। अरुणाचल प्रदेश के लिए उपस्थित सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा, 卐मुझे (राज्य) रिकार्ड पर तथ्य रखने के लिए एक सप्ताह की आवश्यकता होगी।卐 उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के तीन अगस्त के आदेश के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव (गृह) अदालत में उपस्थित थे। मेहता ने कहा, हम अदालत को संतुष्ट कर पाएंगे कि वे (निर्देश) अक्षर और भावना में पालन किए गए हैं। राज्य ने जांच एजेंसी को सभी दस्तावेज दिए हैं। पीठ ने कहा कि वह राज्य को अपने रुख को रिकॉर्ड पर रखने के लिए दो सप्ताह का समय देगी। जब पीठ को बताया गया कि विभिन्न दस्तावेज एजेंसी को सौंप दिए गए हैं, तो उसने सीबीआई से पुष्टि करने को कहा कि क्या उन्हें प्राप्त हुए हैं। छह अप्रैल को सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई को राज्य में ठेके के पक्षपाती आवंटन के आरोपों की प्रारंभिक जांच दो सप्ताह के भीतर दर्ज करने का निर्देश दिया था। सोमवार की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता एनजीओ के लिए उपस्थित अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने पूछा कि क्या सीबीआई की प्रारंभिक जांच के दौरान एकत्रित सामग्री नियमित मामले के लिए पर्याप्त नहीं थी। पीठ ने कहा कि इस मुद्दे की जांच सीबीआई को करनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे से संबंधित एक अलग याचिका सुनने पर भी सहमति व्यक्त की और मेहता से निर्देश लेने और आवश्यक होने पर एक प्रतिवाद हलफनामा दाखिल करने को कहा।

कर्नाटक एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट से 1 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम कटे, फाइनल लिस्ट में कैसे जुड़वाएं नाम

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट सोमवार, 24 अगस्त को जारी कर दी गई। इस लिस्ट के मुताबिक वोटर लिस्ट से 1.07 करोड़ लोगों के नाम हटाए गए हैं, जिससे राज्य में वोटरों की संख्या घटकर 4.46 करोड़ रह गई है। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटाए गए ज्यादातर नामों को लेकर बताया गया है कि ये लोग या तो अनुपस्थित मिले या वे दूसरी जगह चले गए। इसके साथ ही कुछ लोगों को डुप्लिकेट, मृत और अन्य कैटेगरी में रखा गया।

कर्नाटक में महिला वोटरों की संख्या ज्यादा: कर्नाटक की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के आंकड़ों के बारे में बताते हुए राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी वी. अंबु कुमार ने कहा कि वोटरों में 2.22 करोड़ पुरुष, 2.24 करोड़ महिलाएं और 2,871 अन्य शामिल हैं।

नाम कटने के बाद भी जुड़ सकते हैं नाम: मुख्य चुनाव अधिकारी वी. अंबु कुमार ने कहा कि जिन इलाकों में ß¸þ की संख्या ज्यादा है, वहां एक खास अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में वोटरों को फॉर्म 6 (नाम जुड़वाने के लिए) भरने में मदद की जाएगी। अभियान की तारीखों का एलान ß¸þ ऑफिस की तरफ से अभी नहीं किया गया है। चुनाव अधिकारी ने बताया, 43.81 लाख लोगों को नोटिस भेजे जाएंगे। ये नोटिस उन लोगों को भेजे जाएंगे, जिनके फॉर्म में लॉजिकल गड़बड़ियां थीं या जिनकी मैपिंग नहीं हो पाई। चुनाव पंजीकरण अधिकारी को शक होता है कि कोई वोटर अयोग्य है, तो भी नोटिस जारी किया जा सकता है। गिनती का काम पूरा होने के बाद, वोटरों को वही समस्याएं हो सकती हैं जो लिस्ट के समय हुई थीं। जैसे गिनती का काम खत्म होने से 12 दिन पहले तक लोगों को पता नहीं था कि उनके नाम लिस्ट में हैं, वैसे ही अब उन्हें यह जानने का कोई तरीका नहीं है कि उन्हें नोटिस मिलेगा या नहीं, जब तक कि नोटिस असल में भेजा न जाए।

सुनवाई के दौरान वोटर का उपस्थित होना जरूरी

हमारे पास सिर्फ यह आंकड़ा है कि कितने लोगों को नोटिस मिलेगा, और नोटिस बनने तक नाम पता नहीं चलेंगे। हालांकि, पूरी प्रक्रिया द्वारा नोटिस बनाने से लेकर उसे भेजने तक सिर्फ सात दिनों में पूरी होनी है। वोटरों के लिए यह एक बड़ी बाधा बन सकती है, खासकर उन वोटरों के लिए जो दूसरे जिले या शहर में रहते हैं, लेकिन अपने मूल निर्वाचन क्षेत्र में रजिस्टर्ड हैं, क्योंकि वोटर को सुनवाई में खुद शामिल होना होगा। देखा जाए तो इस प्रक्रिया में अब अपना वोट बचाने की पूरी जिम्मेदारी वोटर पर डाल दी गई है। गिनती के चरण के उलट, जब बूथ लेवल ऑफिसर्स को वोटर्स को गिनती वाले फॉर्म देने का निर्देश दिया गया था और 18 साल से ज्यादा उम्र का परिवार का कोई सदस्य वोटर की तरफ से उन्हें भर सकता था, इस चरण में उस पते पर मौजूद किसी भी व्यक्ति को नोटिस दे सकते हैं। नोटिस में 11 डॉक्यूमेंट्स में से कोई एक ऑनलाइन जमा करने के लिए त्क्र्कोड भी होगा, लेकिन सुनवाई के लिए सिर्फ वोटर को ही आना होगा।

आईआईटी दिल्ली में छात्र की खुदकुशी पर छात्रों का मोर्चा, प्रशासन से स्वतंत्र जांच और जवाबदेही की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। आइआइटी दिल्ली में छात्र ऋषिकेश की खुदकुशी के बाद छात्र संगठनों ने संस्थान प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। छात्रों ने छात्र मामलों के कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मामले की स्वतंत्र जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है। मांगों को लेकर सोमवार को परिसर और लेक्चर हाल परिसर की सभी कक्षाएं स्थगित करने की भी मांग की गई है, ताकि घटना को सामान्य तरीके से न लिया जाए। छात्रों का आरोप है कि आवास की सुविधा न मिलना, शैक्षणिक परियोजनाओं से जुड़ी समस्याएं और प्रशासनिक स्तर पर अपेक्षित सहयोग नहीं मिलना विद्यार्थियों में मानसिक दबाव बढ़ा सकता है। उन्होंने मांग की है कि ऐसे मामलों से निपटने के लिए संस्थान की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी नीति और परामर्श व्यवस्था को सार्वजनिक किया जाए।

30 महीने में आठ छात्रों की मौत का दावा

प्रदर्शनकारी छात्रों ने दावा किया है कि पिछले 30 महीनों में आइआइटी दिल्ली के आठ छात्रों ने आत्महत्या की है। इसे उन्होंने गंभीर और व्यवस्थित समस्या बताते हुए प्रशासन से अब तक उठाए गए कदमों और विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट पर अमल की स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

अधिकारियों के इस्तीफे और मुआवजे की मांग

छात्रों ने छात्र मामलों के कार्यालय के डीन और दोनों एसोसिएट डीन के साथ भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष के इस्तीफे की मांग की है। साथ ही ऋषिकेश के परिवार को एक करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग रखी गई है। छात्रों ने यह भी कहा है कि छात्र की मौत के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों पर कोई कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। प्रशासन से इन मांगों पर अपना रुख रविवार शाम पांच बजे तक स्पष्ट करने को कहा गया है।

टपकेश्वर महादेव शोभायात्रा के कारण आज रहेगा रूट डायवर्ट, देहरादून पुलिस ने जारी किया ट्रैफिक प्लान

देहरादून, एजेंसी। बुधवार को राजधानी में दो शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसे लेकर सुबह आठ बजे से रात तक रूट डायवर्ट रहेगा। सुबह के समय बारावफात शोभायात्रा तो वहीं भगवान टपकेश्वर महादेव की शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके लिए पुलिस ने यातायात प्लान जारी कर दिया है। यातायात प्लान सुबह आठ बजे से शुरू होकर रात में टपकेश्वर महादेव की शोभायात्रा के सम्पन्न होने तक लागू रहेगा। टपकेश्वर महादेव की शोभायात्रा के शिवाजी धर्मशाला से शुरू होने पर निरंजनपुर मंडी, लालपुल और मातावाला बाग कट से सहारनपुर चौक की ओर आने वाले यातायात को जीएमएस रोड़ की ओर भेजा जाएगा। इसके साथ ही ही प्रिंस चौक, रेलवे स्टेशन से आने वाले यातायात को रोक-रोक कर भेजा जाएगा। टपकेश्वर महादेव की शोभायात्रा के लिए सुबह से रात तक रहेगा डायवर्जन शोभायात्रा के सहारनपुर चौक पर पहुंचने से पहले बल्लीवाला से आने वाले वाहनों को कमला पैलेस की ओर व लक्ष्मण चौक से पार्क रोड़ की ओर भेजा जाएगा। घंटाघर से चकराता रोड जाने वाले यातायात को दिलाराम चौक की ओर से भेजा जाएगा। इसके साथ ही बल्लूपुर की ओर से आने वाले यातायात को बल्लूपुर से किशननगर चौक, बिंदाल चौकी कट से दिलाराम चौक की ओर भेजा जाएगा।

घंटाघर, चकराता रोड की ओर नहीं जाएंगे भारी वाहन: शोभायात्रा के पोस्ट ऑफिस पहुंचने पर वाटिका तिराहा से आने वाला यातायात आकाशगंगा तिराहा होते हुए पोस्ट आफिस की ओर भेजा जाएगा। शोभायात्रा का पिछला हिस्सा डाकरा रोड़ पास करने पर यातायात सामान्य किया जाएगा। लाल पुल, बल्लीवाला चौक, मातावाला बाग तिराहा, बल्लुपूर चौक, कौलागढ चौक, दर्शनलाल चौक, प्रिंस चौक, घंटाघर।

इन मार्गों से निकलेगी शोभायात्रा: टपकेश्वर महादेव की शोभायात्रा शिवाजी धर्मशाला से शुरू होकर सहारनपुर चौक, झंडा बाजार, पलटन बाजार, घंटाघर, बिंदाल, कैंट क्षेत्र, डाकरा बाजार, गढ़ी कैंट चौक होते हुए टपकेश्वर मंदिर पहुंचकर सम्पन्न होगी।

प्रिंस चौक, तहसील चौक ओर से भी रहेगी दिक्कत: बुधवार को सुबह आठ बजे शुरू होने वाली बारावफात की शोभायात्रा के साथ यातायात भी चलेगा। आवश्यकता पड़ने पर पुलिस पटेलनगर मंडी, लालपुल, बल्लीवाला चौक और सहारनपुर चौक से यातायात को डायवर्ट करेगी। प्रिंस चौक से द्रोण कट जाने वाला यातायात को आंशिक रूप से चंदननगर कट होते हुए दून चौक की ओर भेजा जाएगा। तहसील चौक से प्रिंस चौक जाने वाले यातायात को रोक-रोक कर छोड़ा जाएगा। शोभायात्रा के दून चौक पहुंचने पर तहसील चौक से दून चौक जाने वाले यातायात को प्रिंस चौक की ओर भेजा जाएगा।

ट्रंप का बड़ा खुलासा: दो हफ्ते में अमेरिका आएंगे शी जिनपिंग

व्हाइट हाउस में बन रहा 'चीन जैसा' ग्रेट हॉलझ्र

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को खुलासा किया है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग करीब दो हफ्ते में अमेरिका आएंगे। ट्रंप ने यह घोषणा व्हाइट हाउस के पास निर्माणाधीन नए बॉलरूम और मिलिट्री कॉम्प्लेक्स का जिक्र करते हुए की। उन्होंने परियोजना की तुलना चीन के 'ग्रेट हॉल' से की और साथ ही नए हेलीपोर्ट को भी वर्षों से लंबित जरूरत बताया। हालांकि, शी की यात्रा को लेकर अभी चीन या व्हाइट हाउस की ओर से आधिकारिक कार्यक्रम और अन्य विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। ट्रंप ने यह जानकारी व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में आयोजित 'बैक-टू-स्कूल' कार्यक्रम की शुरुआत के दौरान दी। हालांकि, उन्होंने शी जिनपिंग के साथ होने वाली बातचीत की तारीख, कार्यक्रम और यात्रा से जुड़ी अन्य जानकारियां साझा नहीं कीं। ट्रंप ने कहा,राष्ट्रपति शी दो हफ्ते में आ रहे हैं। मैं दो महीने पहले चीन गया था और हमने चीन का 'ग्रेट हॉल' देखा था। अब अमेरिका में भी हमारा अपना 'ग्रेट हॉल' होगा। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है, बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है।÷ व्हाइट हाउस परिसर में बन रहा बॉलरूम और मिलिट्री कॉम्प्लेक्स ट्रंप ने व्हाइट हाउस परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों से इस प्रस्तावित कॉम्प्लेक्स को जोड़ते हुए बताया कि परियोजना में एक भव्य बॉलरूम के साथ-साथ एक मिलिट्री कॉम्प्लेक्स भी शामिल होगा। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, हम वहां एक मिलिट्री कॉम्प्लेक्स और एक बॉलरूम बना रहे हैं। जो दुनिया में अपनी तरह का सबसे बेहतरीन होगा। शिक्षा पर अपनी बात रखने के बाद राष्ट्रपति एक बार फिर निर्माण कार्य की चर्चा पर लौट आए। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद छात्रों और उनके परिवारों को अपने साथ निर्माण स्थल देखने के लिए आमंत्रित किया।

बच्चों को निर्माण स्थल दिखाने के लिए उत्साहित दिखे ट्रंप: ट्रंप ने कहा, आप ठीक बगल में व्हाइट हाउस के पास बन रही शानदार इमारत देखेंगे। वही बॉलरूम और मिलिट्री कॉम्प्लेक्स होगा। यह अद्भुत है। उन्होंने बताया कि प्रशासन व्हाइट हाउस में एक नया हेलीपोर्ट भी बना रहा है। ट्रंप के मुताबिक, पहले हेलीकॉप्टरों को घास पर उतरना पड़ता था, जिससे गीले मौसम में परेशानी और सुरक्षा संबंधी जोखिम पैदा होते थे।

'गीली घास पर हेलीकॉप्टर उतारना खतरनाक था': ट्रंप ने कहा, हम एक सुंदर हेलीपोर्ट बना रहे हैं, जिसकी मांग कई वर्षों से की जा रही थी। हेलीकॉप्टर को गीली घास पर उतरना पड़ता था, जो खराब और खतरनाक था।%रोज गार्डन में जुटे बच्चों को निर्माण कार्य दिखाने को लेकर ट्रंप खासे उत्साहित नजर आए।

चीन में भारतीय फैशन का जलवा: कुर्ते से साड़ी तक का बढ़ा क्रेज; क्यों पसंद आ रहा देसी अंदाज

शंघाई/बीजिंग, एजेंसी। पश्चिमी देशों और रूस में भारतीय एथनिक फैशन की पहचान बनने के बाद अब चीन जैसे पड़ोसी देश में भी भारतीय पहनावे का नया क्रेज देखा जा रहा है। बीजिंग से शंघाई तक चीनी युवा सलवार-कुर्ती और इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन आउटफिट्स पहनकर सड़कों पर निकल रहे हैं तो महिलाओं को भी साड़ी में देखा जा रहा है। लोग पलिनन के लंबे-छोटे कुर्तों को डेनिम जींस, ट्राउजर और वाइट स्नीकर्स के साथ पेयर करके मिनिमलिस्टिक लुक अपना रहे हैं। चीन के उमस भरे मौसम में सांस लेने योग्य भारतीय कॉटन, खादी और चंदेरी फैब्रिक की भारी मांग है। श्याओहांगशू (रेड बुक) ट्रेंड्स डाटा के मुताबिक, शंघाई के प्रसिद्ध अंफु रोड और उहांग रोड जैसे स्ट्रीट-फैशन हब्स पर कुर्ता-डेनिम लुक छाया हुआ है। शैनक्सी साउथ रोड के मल्टी-ब्रांड बुटीक में भी भारतीय फैब्रिक हावी है। वहीं, बीजिंग के सानलीतुन स्ट्रीट जोन और ताइगू ली एवेन्यू पर युवा कुर्तों को डेनिम व स्नीकर्स के साथ स्टाइल कर रहे हैं। चीनी अखबार चायना डेली की रिपोर्ट के मुताबिक, फैशन शो और बीटूबी मीट्स में लेबलहुड की संस्थापक ताशा लियू ने इस फ्यूजन ट्रेंड को बढ़ावा दिया,45त्न तक बढ़ी कुर्तियों की बिक्री फैशन शो और बीटूबी मीट्स के दौरान चीनी रिटेलर्स ने भारतीय टेक्सटाइल और फ्यूजन वियर के लिए 12 लाख डॉलर (10 करोड़ रुपये) के शुरुआती सप्लाई ऑर्डर्स दिए हैं। जो बहुत बड़ी रकम है। 6 माह के दौरान चीनी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स (ताओबाओ व टीमाल) पर इंडियन स्टाइल एथनिक कुर्ती और मसाला चाय मिक्स की बिक्री 45त्न तक बढ़ गई है। चीन के मेट्रो शहरों (शंघाई, बीजिंग और चेंगदू) में इन दिनों भारतीय लाइफस्टाइल और एथनिक फैशन का एक अनोखा उभार देखने को मिल रहा है। चीन के सबसे बड़े लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म श्याओहांगशू पर भारतीय पहनावे, इंडो-फ्यूजन स्टाइलिंग और आयुर्वेदिक हर्बल प्रोडक्ट्स के ट्रेंड्स की बाढ़ आ गई है। खास तौर पर साड़ियों का भी चलन खूब देखने को मिल रहा है। रेड कार्पेट और फैशन शो में लंबी कतारें = शंघाई के अंतरराष्ट्रीय फैशन कॉरिडोर में ईस्ट-मीट्स-वेस्ट फ्यूजन शो और बीजिंग कल्चरल एक्सपो हुआ।

हेगसेथ बोले- जरूरत पड़ी तो ईरान पर मिसाइल से हमला, सख्ती पर इस्राइली पीएम नेतन्याहू क्या बोले

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ आर्थिक और सैन्य दबाव को एक साथ तेज कर दिया है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने होर्मुज जलडमरूमध्य समेत ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला रखा है, जबकि ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट के जरिए ईरान के तेल, वित्तीय नेटवर्क और प्रतिबंधों से बचने वाले तंत्र को निशाना बनाने की घोषणा की है। दूसरी ओर, ईरान ने संकट से निपटने का भरोसा जताया है और इस्राइल ने अमेरिकी कदमों का समर्थन किया है। इससे तेहरान पर आर्थिक दबाव के साथ संभावित सैन्य टकराव का जोखिम भी बढ़ गया है। ऐसे में अमेरिका की रणनीति साफ तौर पर दो मोर्चों पर आगे बढ़ती दिखाई दे रही है एक तरफ आर्थिक घेराबंदी और दूसरी तरफ सैन्य कार्रवाई का खुला विकल्प।

होर्मुज में भी सैन्य कार्रवाई से इनकार नहीं: विस्कॉन्सिन के ओशकोश दौरे के दौरान हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य बल के इस्तेमाल की संभावना को बिल्कुल खत्म नहीं कर रहा है। उनसे जब पूछा गया कि क्या फिलहाल सैन्य हमलों का विकल्प रोक दिया गया है, तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसा नहीं है। हेगसेथ के मुताबिक, अगर ईरान अमेरिकी सेना से टकराता है या ऐसी कार्रवाई करता है जिसे वॉशिंगटन सीमा पार करना मानता है, तो अमेरिका जरूरी कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल आर्थिक दबाव ईरान को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है, लेकिन जरूरत पड़ने पर होर्मुज जलडमरूमध्य या ईरान के आसपास किसी भी इलाके में सैन्य कार्रवाई की जा सकती है।

अमेरिका का दावा-होर्मुज पर मजबूत पकड़: हेगसेथ ने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और वहां से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा करने की क्षमता रखती है। उनके अनुसार, ईरान की अर्थव्यवस्था लगातार दबाव में है और तेहरान यह भी समझता है कि जलडमरूमध्य में अमेरिकी सैन्य क्षमता उसके मुकाबले काफी मजबूत है। उन्होंने कहा कि ईरान के पास इस क्षेत्र से व्यापार और तेल की आवाजाही को प्रभावित करने की कुछ क्षमता जरूर है, लेकिन अमेरिका के पास समुद्री मार्ग को सुरक्षित रखने की बेहतर क्षमता मौजूद है। उनका दावा है कि इसी वजह से तेल का प्रवाह जारी रखा जा सकता है और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर ईरान के दबाव को सीमित किया जा सकता है।

ईरानी नौसेना और मिसाइल क्षमता को नुकसान का दावा

हेगसेथ ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को लेकर भी बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई से ईरान की नौसेना, रडार और मिसाइल प्रणालियों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि ईरान के पास अब भी कुछ सैन्य क्षमताएं मौजूद हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री के मुताबिक, ईरान की मौजूदा सैन्य क्षमता पहले जैसी नहीं रह गई है। इसी आधार पर वॉशिंगटन का मानना है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है और तेल की अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति को जारी रख सकता है।

आर्थिक दबाव के साथ परमाणु वार्ता का लक्ष्य : हेगसेथ ने कहा कि लगातार बढ़ता आर्थिक दबाव ईरान को परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की मेज पर लौटने के लिए मजबूर कर सकता है। अमेरिकी रणनीति का मकसद तेहरान की आर्थिक क्षमता को इतना कमजोर करना है कि उसके सामने बातचीत के अलावा विकल्प सीमित रह जाएं। उन्होंने कहा कि आर्थिक दबाव और सैन्य विकल्प दोनों एक-दूसरे के समानांतर चल रहे हैं। वॉशिंगटन फिलहाल आर्थिक हथियार को प्राथमिकता दे रहा है, लेकिन परिस्थितियां बिगड़ने पर सैन्य कार्रवाई की संभावना खुली रखी गई है।

विदिशा में दो दिन से हो रही बारिश :हलाली डैम का जलस्तर 20 सेमी बढ़ा, अब तक 624.2 मिमी औसत पानी गिरा

विदिशा,एजेंसी। विदिशा जिले में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। पिछले दो दिनों से जिले के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का दौर जारी है। सोमवार को विदिशा शहर में तेज बारिश से सड़कें और गलियां जलमग्न हो गईं। मंगलवार सुबह कुरवाई में भी झमाझम बारिश हुई। लगातार बारिश से जिले के प्रमुख जलस्त्रोत सम्राट अशोक सागर (हलाली डैम) का जलस्तर भी बढ़ा है।

कुरवाई में झमाझम, लटेरी में भी हुई तेज बारिश: 25 अगस्त की सुबह तक विदिशा में 40 मिमी, कुरवाई में 24.8 मिमी, गुलाबगंज में 22 मिमी, ग्यारसपुर में 14.5 मिमी और नटेरन में 11 मिमी बारिश दर्ज की गई। इससे पहले रविवार को लटेरी में करीब एक घंटे तक तेज बारिश हुई थी, जिससे निचली बस्तियों और मुख्य बाजार की सड़कों पर पानी भर गया था।

सामान्य से 451 मिमी पीछे बारिश: 25 अगस्त तक इस मानसून सीजन में जिले में औसतन 624.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है। जिले की सामान्य औसत वर्षा 1075.5 मिमी है। इस लिहाज से जिला अभी भी सामान्य बारिश से 451.3 मिमी पीछे है। पिछले साल इसी अवधि तक औसत बारिश 952.6 मिमी थी, जो इस बार के आंकड़े से 328.4 मिमी अधिक थी।

हलाली डैम का जलस्तर 20 सेमी बढ़ा: लगातार बारिश का असर सम्राट अशोक सागर (हलाली डैम) पर भी दिखाई दे रहा है। 25 अगस्त की सुबह 8 बजे डैम का जलस्तर 458.10 मीटर दर्ज किया गया, जबकि 24 अगस्त को यह 457.90 मीटर था। यानी 24 घंटे में जलस्तर 20 सेंटीमीटर बढ़ा है। डैम में वर्तमान में 173.902 एमसीएम पानी है और जलभराव 68.97 प्रतिशत हो गया है। 24 अगस्त को यह 65.43 प्रतिशत था। डैम का फुल टैंक लेवल 459.61 मीटर है, जबकि वर्तमान जलस्तर इससे करीब 1.51 मीटर नीचे है। फिलहाल डैम के पांचों गेट बंद हैं।

अगले तीन दिन बारिश के आसार: मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक जिले में बारिश जारी रहने की संभावना जताई है। 26 अगस्त को जिले में भारी बारिश होने का अनुमान है। बारिश जारी रहने से जलस्त्रोतों के जलस्तर में और बढ़ोतरी की उम्मीद है। हालांकि, सामान्य बारिश का आंकड़ा पूरा करने के लिए जिले में अभी अच्छी बारिश की जरूरत बनी हुई है।

वर्षा ऋतु में दूषित पानी से होने वाली बीमारियों के रोकथाम के लिए एडवाइजरी

सीहोर ,एजेंसी। वर्षा ऋतु में दूषित पेयजल के उपयोग से विभिन्न संक्रामक रोग (Water Borne Diseases) विशेषकर उल्टी, दस्त, पेचिश, हैजा, पीलिया, टाइफाइड जैसे जल-जनित रोगों की अधिक संभावना होती है साथ ही जान भराव के कारण वेक्टर जनित रोग (Vector Borne Diseases) या मलेरिया डेंगू चिकनगुनिया की अधिकता होती है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं अधिकारी डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने आम जनों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

समस्त चिकित्सा संस्थान प्रभारियों को निर्देश: वर्षा ऋतु में पेयजल की अशुद्धता के कारण संभावित संक्रामक रोग या उल्टी-दस्त-निर्जलीकरण आपेचिश पीलिया हैजा आदि की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए यथा संभव पेयजल स्त्रोंतों को समुचित Disinfection सुनिश्चित किया जाए। ब्लाक के समस्या मूलक ग्रामों का चिन्हांकन करते हुए जल-जनित रोगों के नियंत्रण के लिए जन-समुदाय में बचाव संबंधी जन-जागरूकता पर्याप्त औषधि एवं सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। जिला एवं ब्लाक स्तर पर जल जनित रोग/जलभराव के कारण वेक्टर जनित रोग के प्रकरणों की दैनिक एन्ट्री व निपार्टिंग IHIP Portal पर एएनएम द्वारा From (Syndromic Form) पर एवं चिकित्सा अधिकारी द्वारा स्न्रह्मश्व्द्व (Presumptive Form) पर सुनिश्चित की जाए तथा आवश्यकतानुसार प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए यथोचित सेम्पल प्रेरित करें। मुख्य चिकित्सा एवं अधिकारी डॉ डेहरिया ने बताया कि ग्राम/वार्ड विशेष में 1000 की जनसंख्या पर 45 प्रकरणे से अधिक जल जनित रोगों के प्रकरण की सूचना प्राप्त होने पर IHIP Portal पर Event Generation सुनिश्चित किया जाए एवं घटना स्थल पर Outbreak Confirmation चिकित्सकीय दल भेजा जाए। समस्त आशा कार्यकर्ताओं के पास आगामी 3 माह के लिए जल जनित रोग नियंत्रण के लिए सगस्त आवश्यक औषधि-सामग्री यथा उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिला स्तर पर स्थापित कंट्रोल/कमांड तट पर त्वरित सूचना के के लिए समस्त विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

सीहोर ,एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्षा ऋतु के दौरान मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। जारी एडवाइजरी अनुसार कंपकंपी के साथ तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टी होना, बेचैनी, कमजोरी, सुस्ती, मितली, ठंड, तपन महसूस होना आदि मलेरिया के लक्षण हो सकते हैं। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि मलेरिया से बचाव के मच्छरदानी का उपयोग करें और खिड़कियों एवं दरवाजों पर जाली लगायें। हल्के रंग के कपड़े पहने एवं हाथ पैरों को पूरा ढ़कें। हर सप्ताह कूलर, टंकी और बैरल के पानी को बदलें। आस पास पानी को जमा न होने दें। इसके साथ ही तेज बुखार, उल्टी तथा शरीर में दर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डेंगू फैलाने वाला मच्छर रुके हुए साफ पानी में पनपता है।

रक्षाबंधन पर चलेगी खजुराहो-निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन :तीन फेरों का शेड्यूल जारी, 26 से 30 अगस्त तक चलेगी

छतरपुर,एजेंसी। रक्षाबंधन पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने बुंदेलखंड के यात्रियों के लिए खजुराहो से हजरत निजामुद्दीन के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। उत्तर मध्य रेलवे की यह ट्रेन कुल तीन फेरे लगाएगी और इसमें 21 कोच होंगे। ट्रेन के संचालन से दिल्ली-एनसीआर आने-जाने वाले यात्रियों को त्योहार के दौरान अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। 26, 28 और 30 अगस्त को खजुराहो से चलेगी ट्रेन रेलवे की समय-सारणी के अनुसार खजुराहो-हजरतसे शाम 5 बजे रवाना होगी।

त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों की सघन जांच करें : कलेक्टर अंशुल गुप्ता

बाहर से आने वाली बसों एवं अन्य परिवहन साधनों का भी किया जाए निरीक्षण, मावा-पनीर सहित दुग्ध उत्पादों पर विशेष निगरानी के निर्देश

विदिशा,एजेंसी। आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा सघन जांच अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ने को देखते हुए मिलावटखोरी एवं अमानक खाद्य सामग्री के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने खाद्य एवं औषधि प्रशासन सहित संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि जिले में खाद्य पदार्थों की नियमित एवं आकस्मिक जांच की जाए तथा संदिग्ध एवं अमानक सामग्री के नमूने लेकर नियमानुसार परीक्षण कराया जाए।

मावा और पनीर पर विशेष निगरानी: त्योहारों के दौरान विशेष रूप से मावा, पनीर एवं अन्य दुग्ध उत्पादों की खपत बढ़ जाती है। ऐसे में इन खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जिले में आने वाले मावा, पनीर तथा अन्य दुग्ध उत्पादों

की जांच की जाए और गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जांच अभियान केवल शहर तक सीमित न रहे, बल्कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों, बाजारों, दुकानों, खाद्य प्रतिष्ठानों तथा अन्य संभावित स्थानों पर भी प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए।

बाहर से आने वाले परिवहन साधनों की भी होगी जांच: कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिला परिवहन अधिकारी को भी अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिले में बाहर से आने वाली बसों तथा अन्य परिवहन संसाधनों का निरीक्षण किया जाए, ताकि बाहरी क्षेत्रों से अमानक या संदिग्ध खाद्य पदार्थ जिले में प्रवेश न कर सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित कर प्रभावी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य पदार्थों के परिवहन एवं आपूर्ति की प्रक्रिया पर भी नजर रखने को कहा, जिससे मिलावटी अथवा अमानक खाद्य सामग्री की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान नागरिकों के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को जांच अभियान को गंभीरता और निरंतरता के साथ संचालित करने तथा अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक में जिन प्रमुख विषयो की गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए है उनमें सीएम मॉनिट, केंद्रीय मंत्री एवं प्रभारी मंत्री से प्राप्त पत्रों तथा उनके उत्तरों की अद्यतन स्थिति प्रमुख रूप से समीक्षा, इसके साथ ही स्कूलों एवं छात्रावासों में प्रवेश की स्थिति, विभिन्न योजनाओं से संबंधित लंबित प्रकरण, सीईओ जिला पंचायत, सीएमओ एवं एसडीएम स्तर पर लंबित बंद नल-जल योजनाओं की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया गया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति से संबंधित विषयों में राशन दुकानों पर की गई कार्रवाई, ई-केवाईसी की स्थिति, संलग्न दुकानों में आवंटन, तथा सेल्समैन द्वारा एक से अधिक दुकान संचालित किए जाने की स्थिति की जानकारी ली गई। छात्रावासों में प्रवेश की स्थिति और सप्ताहभर में किए गए निरीक्षण एवं कार्यों का विवरण भी अधिकारियों से प्राप्त किया गया। बैठक में अवैध शराब के विक्रय के विरुद्ध की गई कार्रवाई तथा सप्ताहभर में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के मामलों में की गई कार्रवाई की जानकारियां प्राप्त की है। कृषि क्षेत्र से जुड़े विषयों में कृषि वर्ष के तहत ग्रामवार सर्वे में प्राप्त आवेदनों एवं उन पर की गई कार्रवाई, नरवाई प्रबंधन की ग्रामवार स्थिति तथा खरीफ सीजन में नरवाई जलाने की प्रवृत्ति रोकने के लिए बनाई गई कार्ययोजना की समीक्षा की गई साथ ही एपीसी बैठक में लिए गए निर्णयों के बिंदुवार पालन प्रतिवेदन की अद्यतन स्थिति भी देखी गई। राजस्व प्रकरणों में अविवादित नामांतरण के 180 दिवस, बंटवारा के 45 दिवस तथा सीमांकन के 90 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों की तहसीलवार के अलावा तहसीलवार लंबित आरआरसी प्रकरणों की स्थिति का जायजा लिया गया है। बैठक में समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के संबंध में पेपर कटिंग के उत्तर, फैक्ट चेक एवं विभागीय सफलता की कहानियों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। विभागवार जिला स्तरीय समितियों की बैठक आयोजित किए जाने की स्थिति एवं उनकी तिथियां, शासन को भेजे गए पत्र एवं मांग, कलेक्टर द्वारा निर्देशित आदेश एवं पत्र तथा अर्द्ध शासकीय (डीओ) पत्रों के उत्तरों की स्थिति की एक-एक प्रतियां जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन सहित आम जनों की व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं के त्वरित, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए एक अभिनव प्रशासनिक पहल करते हुए जिले के विभिन्न अनुविभागों में वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष तैनाती की। इस नवाचार के तहत जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोड़िया सहित कुल 26 जिला अधिकारियों को तहसील एवं अनुविभागीय मुख्यालयों पर भेजा गया, जहां उन्होंने स्थानीय स्तर पर लंबित शिकायतों और जनसमस्याओं की समीक्षा कर उनके समाधान की प्रक्रिया को गति दी गई। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में सम्पन्न हुई उक्त बैठक में पूर्व उल्लेखित 26 विभागो के अधिकारियों ने अनुविभाग स्तर से व्हीसी के माध्यम से तथा सभागार कक्ष में मौजूद अन्य विभागो के अधिकारियों ने विभाग से संबंधित अद्यतन प्रगति की जानकारियां सांझा की है।

रात में ढाबों पर चेकिंग, शराब पीते मिले लोग

केस दर्ज ; रतलाम कलेक्टर की फटकार के बाद आबकारी विभाग का अमला एक्टिव हुआ

रतलाम,एजेंसी। रतलाम कलेक्टर अजय कटेसरिया की फटकार के बाद आबकारी विभाग ने सोमवार रात अलग-अलग क्षेत्रों में ढाबों पर अवैध रूप से शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। आबकारी की टीम ने 5 ढाबों पर कार्रवाई की। ढाबा संचालक लोगों को बैठाकर अवैध रूप से शराब पिलवा रहे थे। दरअसल, सोमवार दोपहर कलेक्टर ने जिले में नारकोटिक्स एवं अन्य नशीले पदार्थों की रोकथाम तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर जिला स्तरीय समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर ने आबकारी विभाग एवं ड्रग इंस्पेक्टर की कार्रवाई पर कड़ा असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों विभागों की कार्रवाई प्रभावी और लगातार दिखाई देनी चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि वर्तमान में कार्रवाई यदि हो भी रही हैं तो वह जनता के बीच दिखाई नहीं दे रही हैं। कलेक्टर ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों से सवाल किया, 'क्या किसी ने इन विभागों की कार्रवाई होते हुए देखी है, किसी ने सुना है या कहीं पढ़ा है?' लेकिन बैठक में कोई भी अधिकारी जवाब नहीं दे सका। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ऐसी स्थिति स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रतिदिन सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उसका प्रभाव भी दिखाई देना चाहिए। लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी।

ड्रग इंस्पेक्टर से मांगा रिकॉर्ड: कलेक्टर ने ड्रग इंस्पेक्टर से अगस्त माह के दौरान विभाग द्वारा की गई सभी कार्रवाई का विस्तृत विवरण मांगा। उन्होंने कहा कि अगली समीक्षा बैठक में सबसे पहले इसी विषय पर चर्चा होगी और यह बताया जाएगा कि कितनी कार्रवाई की गई तथा उसके क्या परिणाम रहे।

● ढाबे पर मिली अवैध शराब

कलेक्टर की फटकार के बाद सोमवार रात सहायक आबकारी आयुक्त विकास मंडलोई के निर्देशन में रतलाम आबकारी विभाग की टीम मैदान में उतरी। सहायक जिला आबकारी अधिकारी मनोहर खरे, सब इंस्पेक्टर पुष्पराज चौहान, सचिन भास्कर, ओमप्रकाश मालवीय एवं टीम ने अवैध शराब बेचने वाले एवं शराब दुकानों के आसपास शराब का सेवन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। टीम ने बस स्टैंड, शहर शराय, सज्जन मिल, बरबड़, साला खेड़ी, पावर हाउस, स्टेशन रोड स्थित शराब दुकान आदि दुकानों पर सघन चेकिंग की। दुकान के आसपास रोड पर एवं सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की। टीम ने गांधी नगर में चटका ढाबा, विनोबा नगर, देशी हांडी ढाबा बिरिया खेड़ी, विजिलेंस ढाबा बिरिया खेड़ी, जुलवानिया रोड पर जांच करते हुए कार्रवाई करते हुए ढाबा संचालकों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया।

भ्रमण के दौरान स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर का करें आकलन : कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता

विदिशा,एजेंसी। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्र के भ्रमण के दौरान स्कूलों का अनिवार्य रूप से निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि केवल विद्यालय भवन एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण पर्याप्त नहीं है, बल्कि अधिकारियों को विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर पर भी विशेष ध्यान देना होगा। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि भ्रमण के दौरान अधिकारी विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद करें तथा यह जानने का प्रयास करें कि वे निर्धारित लर्निंग कोर्स एवं कक्षा के अनुरूप शैक्षणिक ज्ञान अर्जित कर पा रहे हैं अथवा नहीं। विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, विषय की समझ तथा उनके सीखने के स्तर का मौके पर ही परीक्षण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम आधारित प्रश्न पूछकर उनकी विषयगत समझ का जायजा लिया जाए। विशेष रूप से यह देखा जाए कि विद्यार्थी अपनी कक्षा के अनुरूप पढ़ने, लिखने, गणितीय गणना तथा अन्य आवश्यक शैक्षणिक दक्षताओं में सक्षम हैं या नहीं। यदि किसी विद्यालय में विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर अपेक्षित मानकों से कम पाया जाता है, तो उसके कारणों की जानकारी लेकर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता का वास्तविक आकलन विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता से ही किया जा सकता है। इसलिए अधिकारी अपने भ्रमण के दौरान शिक्षकों से भी चर्चा करें और विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की जानकारी प्राप्त करें। कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त शिक्षण एवं आवश्यक सहयोग की व्यवस्था पर भी ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल शासकीय योजनाओं एवं व्यवस्थाओं की निगरानी करना नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाना भी है। अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले मैदानी भ्रमण का लाभ विद्यार्थियों को सीधे मिले, इसके लिए स्कूल निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाए।

नर्मदापुरम में 3 दिन भारी बारिश का अलर्ट

30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं, वज्रपात की भी चेतावनी जारी

नर्मदापुरम,एजेंसी। नर्मदापुरम जिले में मंगलवार सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं। रात में कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी भी हुई। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में जिले के मौसम में बदलाव की संभावना जताई है। 25 और 26 अगस्त को कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। 26 और 27 अगस्त को भी कहीं-कहीं भारी वर्षा के आसार हैं। इस दौरान गरज-चमक के साथ वज्रपात और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

तीन दिन बारिश और तेज हवाओं का दौर: मौसम विभाग के अनुसार जिले में अगले तीन दिनों तक गरज-चमक के साथ बारिश की गतिविधियां बनी रह सकती हैं। कुछ स्थानों पर तेज बारिश होने की संभावना है। बारिश के दौरान तेज हवाएं भी चल सकती हैं। 25 से 26 अगस्त के बीच जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। इसके बाद 26 से 27 अगस्त के दौरान भी कहीं-कहीं भारी वर्षा होने

का अनुमान है। मौसम में बदलाव के साथ तेज हवा का दौर जारी रहने की संभावना है।

इस साल अब तक 25 इंच बारिश: नर्मदापुरम जिले में इस साल मानसून की शुरुआत से ही बारिश अपेक्षाकृत कम रही है। अब तक जिले में औसतन करीब 25 इंच बारिश दर्ज की गई है। यह सामान्य बारिश से कम है। पिछले साल की तुलना में भी इस बार बारिश काफी पीछे है। पिछले साल 1 जून से 25 अगस्त तक जिले में 40 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी थी।

सीहोर में 24 घंटे में आधा इंच से ज्यादा बारिश

उफान पर नदी-नाले, अब तक हुई 28.22 इंच बारिश

सीहोर,एजेंसी। सीहोर में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। पिछले 24 घंटों में जिले में औसतन 0.52 इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई। सीहोर और आष्टा समेत कई क्षेत्रों में बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। मौसम में ठंडक घुलने से लोगों को उमस से राहत मिली है।

सीहोर में सबसे ज्यादा बारिश: भू-अभिलेख विभाग के 25 अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटों में सीहोर तहसील में सबसे अधिक 1.26 इंच बारिश दर्ज की गई। आष्टा में 1.14 इंच, भैरूंदा में 0.94 इंच, रेहटी में 0.32 इंच, श्यामपुर में 0.30 इंच और बुधनी में 0.20

इंच वर्षा हुई।

अब तक 28.22 इंच बारिश: 1 जून से 25 अगस्त तक जिले में औसतन 28.22 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। जिले की सामान्य औसत बारिश 45.21 इंच है। सीहोर तहसील में अब तक सबसे अधिक 34.25 इंच बारिश दर्ज हुई है। पिछले साल इसी अवधि में जिले में औसतन 31.89 इंच बारिश हुई थी। इस वर्ष सीहोर और आष्टा में पिछले साल की तुलना में अधिक बारिश हुई है, जबकि बुधनी और रेहटी में बारिश का आंकड़ा पिछले वर्ष से थोड़ा कम है।

मौसम प्रणालियां सक्रिय: विभाग के अनुसार, उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में कम दबाव का क्षेत्र सक्रिय है। इसके साथ साइक्लोनिक सर्कुलेशन और मानसूनी ट्रफ लाइन भी बनी हुई है। बंगाल की खाड़ी से लगातार आ रही नमी के कारण सीहोर सहित आसपास के जिलों में बारिश का दौर जारी है।

72 घंटे बारिश के आसार: मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 से 72 घंटे रहने की संभावना है।

नर्मदापुरम में बस से 650 किलो संदिग्ध मावा जब्त

भोपाल से लाया गया मावा पुराने बस स्टैंड पर उतारते समय पकड़ा, बिल-दस्तावेज नहीं मिले

नर्मदापुरम,एजेंसी। नर्मदापुरम में रक्षाबंधन त्योहार से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पुराने बस स्टैंड से एक यात्री बस में ले जाया जा रहा 650 किलो संदिग्ध मावा जब्त किया। मावा 50-50 किलो के 13 पैकेट में रखा हुआ था। इसकी अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई जा रही है। कार्रवाई अतिरिक्त तहसीलदार डॉ. सुरेखा यादव और खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियावर की टीम ने की। अधिकारियों के पहुंचने के समय बस से मावे की खेप उतारी जा रही थी। टीम ने मावा जब्त कर पंचनामा बनाया और सैंपल जांच के लिए लैब भेजने की प्रक्रिया शुरू की है।

भोपाल से नर्मदापुरम लाया गया था मावा: जानकारी के अनुसार कटियार बस सर्विस की यात्री बस भोपाल से छिंदवाड़ा जा रही थी। बस में 650

किलो मावा रखा हुआ था। बताया गया कि यह मावा नर्मदापुरम के अलग-अलग व्यापारियों के लिए लाया गया था। आरोप है कि बस चालक निर्धारित मार्ग और बस स्टैंड के बजाय मावे की खेप उतारने के लिए पुराने बस स्टैंड पहुंचा। इसी दौरान अधिकारियों को इसकी जानकारी मिली और टीम मौके पर पहुंच गई।

बिल और दस्तावेज नहीं मिले: अधिकारियों के अनुसार मावे के संबंध में बस चालक और कंडक्टर के पास बिल या अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं मिले। मावा किसने बुक कराया था और नर्मदापुरम में इसे कौन लेने वाला था, इसकी जानकारी भी चालक-कंडक्टर नहीं दे सके। खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियावर ने बताया कि मावा शहर के अलग-अलग व्यापारियों के लिए आया था। इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। मावा नकली, मिलावटी या मानक के अनुरूप है, यह लैब जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

परमिट के तय मार्ग से हटकर पुराने बस स्टैंड पहुंची बस: अतिरिक्त तहसीलदार सुरेखा यादव ने बताया कि बस चालक परमिट में निर्धारित मार्ग से हटकर पुराने बस स्टैंड पहुंचा था। इस संबंध में आरटीओ को पत्र लिखकर वैधानिक कार्रवाई के लिए कहा जाएगा। मावे की खेप जब्त करने की कार्रवाई के दौरान बस करीब डेढ़ घंटे तक मौके पर खड़ी रही। इससे बस में सवार महिला, पुरुष और बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

त्योहार को देखते हुए खाद्य पदार्थों की जांच तेज: रक्षाबंधन त्योहार को देखते हुए खाद्य एवं औषधि विभाग की ओर से मावा, घी, पनीर सहित अन्य दुग्ध उत्पादों की लगातार जांच की जा रही है। इसी अभियान के तहत मंगलवार को 650 किलो संदिग्ध मावा जब्त किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि मावे की गुणवत्ता की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। वैध दस्तावेज नहीं मिलने और अन्य अनियमितता पाए जाने पर बस चालक और संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

11 साल बाद टीवी की दुनिया को अलविदा कहेगा 'नागिन' शो

टीवी की क्वीन कही जाने वाली एकता कपूर) ने न जाने कितने सीरियल्स बनाए हैं, जो सुपरहिट रहे हैं. उन्हीं में से एक सुपरनैचुरल शो नागिन (भी है. इसके अब तक 7 सीजन आ चुके हैं और लोगों को हर साल बड़ी बेसब्री से इसका इंतजार भी रहता है, लेकिन अब ये फ्रेंचाइजी सिर्फ टीवी तक ही सीमित नहीं रहने वाली है, क्योंकि एकता कपूर ने इसकी पॉपुलैरिटी को देखते हुए इसे एक कदम आगे ले जाने का फैसाल किया है, जिसका ऐलान प्रोड्यूसर ने खुद किया है.एकता कपूर ने नाग पंचमी के खास मौके पर नागिन फ्रेंचाइजी से जुड़ी एक बड़ी अनाउंसमेंट की है. एकता ने अपने इंस्टा पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने हिंट दिया कि वो कुछ बड़ा धमाका करने वाली हैं. उनके वीडियो को देखने के बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद अब एकता नागिन फ्रेंचाइजी पर कोई फिल्म लेकर आने वाली हैं.

दरअसल, एकता ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें नागिन फ्रेंचाइजी की सभी एक्ट्रेसेस की झलक देखने को मिल रही है. वीडियो की शुरुआत सीजन 1 से होती है, जिसमें मौनी रॉय और अर्जुन बिजलानी हो थे, उसके बाद एक-एक करके सभी सातों सीजन की हसीनाओं की झलक दिखाई जाती है. वीडियो में इस बात का भी खुलासा होता है कि 11 सालों तक नागिन ने छोटे पर्दे पर राज किया है. अब बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड इस प्रतिष्ठित फ्रैंचाइजी को टीवी से आगे ले जाने के लिए तैयार है. साथ ही फैंस को हिंट भी दिया कि आगे जो भी आने वाला है वो धमाकेदार होगा. वीडियो को शेयर करते हुए एकता ने कैप्शन में लिखा, कुछ दिलचस्प आ रहा है. हालांकि, ये क्या है, इसमें कौन होगा? इन सबके बारे में अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है.

आपको बता दें कि नागिन की शुरुआत साल 2015 में हुई थी, जिसमें मौनी रॉय ने लीड रोल इच्छाधारी नागिन का निभाया था और अर्जुन बिजलानी लीड एक्टर थे. बहुत ही कम समय में यह सुपरनैचुरल ड्रामा भारतीय टेलीविजन का सबसे सक्सेसफुल शो बन गया, जिसमें पौराणिक कथाओं, फेंटेसी, रोमांस और फैमिली ड्रामा का एक बेहतरीन मेल देखने को मिला.एकता कपूर के ऐलान के बाद सबसे बड़ा सवाल इसकी कास्टिंग को लेकर है. हालांकि एकता कपूर ने अभी यह नहीं बताया है कि इस प्रोजेक्ट में लीड रोल कौन निभाएगा, लेकिन इसे लेकर अटकलें अभी से शुरू हो गई हैं. मेकर्स किसी बड़े बॉलीवुड चेहरे को साइन कर सकते हैं या फिर किसी लोकप्रिय टीवी स्टार को इस सिनेमा की दुनिया में ला सकते हैं. ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा. ऐ

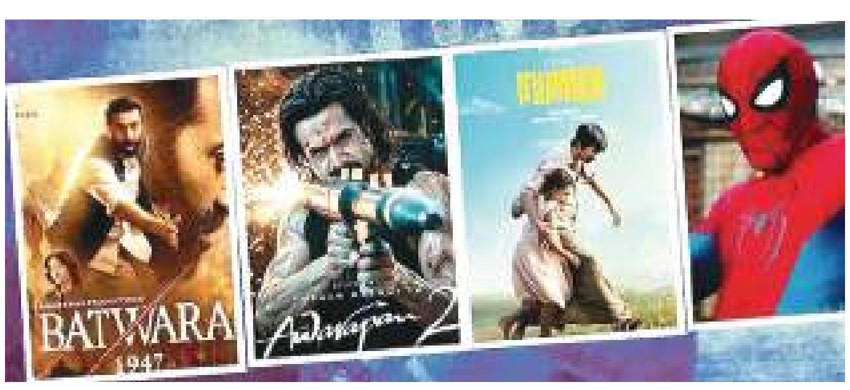

मंगलवार को इरुमुडी ने मारी बाजी, आवारापन 2 ने भी दिखाया दम

सोमवार को सभी फिल्मों की कमाई में काफी मंदी देखी गई थी. लेकिन ब्लॉकबस्टर ट्यूडे की वजह से थिएटर में मौजूद बॉलीवुड से लेकर साउथ की फिल्मों के कलेक्शन में तेजी देखी गई. हालांकि रवि तेजा की 'इरुमुडी' ने मंगलवार को सबसे यादा कमाई की. चलिए यहां 'आवारापन 2' से लेकर 'बंटवारा 1947' सहित सभी फिल्मों ने कितना कलेक्शन किया है.

आवारापन 2 ने दूसरे मंगलवार दिन कितना किया कलेक्शन?

इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन 2 की कमाई में 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को तेजी देखी गई. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे ट्यूडे को 9 हजार 223 शो में 4.00 करोड़ की नेट कमाई की है. इससे भारत में इसका कुल ग्रॉस कलेक्शन 170.35 करोड़ और कुल नेट कलेक्शन 143.00 करोड़ हो गया है.

वहीं विदेशों में इस फिल्म ने 12वें दिन 0.50 करोड़ कमाए, जिससे ओवरसीज में इसका कुल ग्रॉस कलेक्शन 31.30 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं वर्ल्डवाइड फिल्म का कुल ग्रॉस कलेक्शन 201.65 करोड़ हो गया है.

बंटवारा 1947 ने 12वें दिन कितनी कमाई की?

बंटवारा 1947 ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 2,688 शो में 0.55 करोड़ की नेट कमाई की. इसी के साथ भारत में फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 37.70 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं इसकी ग्रॉस कमाई 44.72 करोड़ रुपये हुई है. विदेशों में, फिल्म ने 12वें दिन 0.10 करोड़ कमाए, जिससे ओवरसीज में इसका कुल ग्रॉस कलेक्शन 9.05 करोड़ हो गया है. इसी के साथ ही, दुनिया भर में इस फिल्म का कुल ग्रॉस कलेक्शन 53.77 करोड़ रुपये हो गया है.

इरुमुडी ने मंगलवार को कितना किया कलेक्शन?

रवि तेजा की इरुमुडी का बॉक्स ऑफिस पर डंका बज रहा है. इस फिल्म ने अपने पहले मंगलवार यानी 5वें दिन भी शानदार कमाई की है. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इरुमुडी ने रिलीज के 5वे दिन यानी मंगलवार को भारत में 12.20 करोड़ की नेट कमाई की है. इसी के साथ इस फिल्म की भारत में 5 दिनों की नेट कमाई अब 75.05 करोड़ रुपये हो गई है.

विश्वनाथ एंड सन्स ने दूसरे मंगलवार कितना किया कलेक्शन?

सूर्या की विश्वनाथ एंड सन्स की कमाई में भी दूसरे मंगलवार थोड़ी तेजी देखी गई. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 2.80 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ भारत में इस फिल्म का 12 दिनों का कुल नेट कलेक्शन अब 105.50 करोड़ रुपये हो गया है.

डीसी ने तीसरे मंगलवार कितनी की कमाई?

लोकेश कनगराज और वामिका गब्बी की डीसी(तमिल) ने भी तीसरे मंगलवार को मामूली तेजी दिखाई. सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के 19वें दिन यानी तीसरे मंगलवार को 1 हजार 17 शो से 0.92 करोड़ की नेट कमाई की है. इससे भारत में इसका कुल नेट कलेक्शन 67.24 करोड़ रुपये हो गया है.

स्पाइडर मैन ब्रांड न्यू डे ने चौथे मंगलवार कितनी की कमाई?

स्पाइडर मैन ब्रांड न्यू डे ने रिलीज के 27वें दिन यानी चौथे मंगलवार को एक बार फिर कमाई में तेजी दिखाई. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने 27वें दिन यानी चौथे मंगलवार को 1.60 करोड़ की नेट कमाई की है. इसी के साथ इस फिल्म की भारत में 27 दिनों की कुल नेट कमाई अब 487.25 करोड़ रुपये हो गई है.

काजल के गाने पर भड़की आम्रपाली

काजल राघवानी ने रिवेंज सॉन्ग से मचाया धमाल, मल्लिका शेरावत को तेजप्रताप ने दिया गिफ्ट

.आम्रपाली ने कहा, गाना तो अछा था लेकिन गाने के लिरिक्स कितने ओछे हैं. काजल गाने में कहा रही हैं कि मैं किसी के पैसे पर ऐश नहीं करती हूं तो इंडस्ट्री में कौन करता है. मैं जिस गाड़ी में घूमती हूं, मेरा घर, मुझे फिल्म करने से नहीं मिला है. ये सब आप किस आवेश में बोल रही हैं. आम्रपाली इसके बाद रोने लगीं.

भोजपुरी बवाल में राउंड टेबल हुआ. इस दौरान भोजपुरी स्टार काजल राघवानी का नया गाना लॉन्च हुआ. काजल राघवानी ने रिवेंज सॉन्ग बनाया है. उन्होंने अपने गाने के जरिए इंडस्ट्री के लोगों को जवाब दिया. भोजपुरी बवाल में उनका गाना मेरा सिस्टम अलग है लॉन्च किया गया.

आम्रपाली ने कहा, गाना तो अछा था लेकिन गाने के लिरिक्स कितने ओछे हैं. काजल गाने में कहा रही हैं कि मैं किसी के पैसे पर ऐश नहीं करती हूं तो इंडस्ट्री में कौन करता है. मैं जिस गाड़ी में घूमती हूं, मेरा घर, मुझे फिल्म करने से नहीं मिला है. ये सब आप किस आवेश में बोल रही हैं. आम्रपाली इसके बाद रोने लगीं.इस पर काजल ने कहा कि ये लाइन कैश पर ऐश किसी को रिलेट नहीं हुई, सिर्फ एक लड़की को रिलेट हुई और वो हैं आम्रपाली जी. किसी ने नहीं किया उस लाइन पर रिएक्ट तो आपने क्यों किया. शायद आप करती हैं.

मल्लिका शेरावत की ग्लैमर्स एंट्री

शो में तेजप्रताप यादव ने मल्लिका शेरावत संग मुलाकात की. तेजप्रताप मुंबई में आए. मल्लिका ने उन्हें मुंबई बुलाया था. मल्लिका ने तेजप्रताप यादव से तारीफ करने के लिए कहा. तो तेजप्रताप यादव ने मल्लिका को हॉट, खूबसूरत, स्मार्ट कहा. उन्होंने कहा कि पूरे मुंबई में आपका ही जलवा कायम है. फिर मल्लिका ने तेजप्रताप यादव को बांसुरी बनाने के लिए कहा. मल्लिका तेजप्रताप की तारीफ करती हैं तो वो शर्मा जाते हैं।

'कल्चर दिल में हैं, नेकलाइन में नहीं': कृति सेनन

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन पिछले कुछ समय से एक ऐड को लेकर ट्रोल हो रही थीं, जो उन्होंने एक ज्वेलरी ब्रांड के लिए किया। इस ऐड में वह ब्रालेट-स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेप्ड स्कर्ट पहनकर रक्षाबंधन मानते हुए नजर आ रही थीं। जैसे ही उनका यह विज्ञापन सामने आया, तो लोगों ने उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल करना शुरू कर दिया।कुछ यूजर्स ने कहा कि त्योहार पर उन्होंने यह कैसे कपड़े पहने हैं, तो किसी ने पूजा की थाली न होने पर सवाल खड़े किए। सिर्फ इतना ही नहीं, अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी एक लंबा-चौड़ा नोट शेयर करते हुए कृति के कपड़ों पर सवाल किए। अब 'कॉकटेल 2' एक्ट्रेस ने इस पर अपनी चुप्पी तोड़ी है।

अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, त्योहारों का असली मतलब आपके पहने हुए कपड़ों में नहीं, बल्कि परंपराओं के प्रति आपकी भावनाओं और उनके अर्थ में होता है। रक्षाबंधन सुरक्षा का बंधन है। मैं और मेरी बहन एक-दूसरे को राखी बांधते हैं। हम जानते हैं कि हम एक-दूसरे की सुरक्षा वैसे ही कर सकते हैं जैसे कोई भाई करता।कृति ने आगे लिखा, हम एक-दूसरे की सेहत, खुशी और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करते हैं और हमारे लिए यह प्रार्थना और वादा हमारे डॉग्स के लिए भी है। आखिर, वे भी तो परिवार का हिस्सा हैं। साथ ही, हम महिलाओं को यह बताना कब बंद करेंगे कि उन्हें क्या पहनना चाहिए? एथनिक फैशन में सालों में काफी बदलाव आया है, लेकिन फिर भी किसी महिला के अपनी संस्कृति के प्रति सम्मान को सिर्फ उसके कपड़ों से मापा जाता है। संस्कृति और परंपराएं दिल में होती हैं, गले की नेकलाइन में नहीं।इससे पहले अभिनेत्री कंगना रनौत ने एक पोस्ट करते हुए कृति सेनन के कपड़ों पर तंज कसा था। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में लिखा था, महिलाओं के लिए आज का समय शानदार है। हमारी अलमारी अलग-अलग तरह के कपड़ों से भरी है। आज की महिला ग्लोबल महिला है- कॉकटेल ड्रेस से लेकर लहंगा, चोली, जींस से लेकर साड़ी और बिकिनी, सलवार-कमीज तक, हमारे पास पहनने के बहुत सारे ऑप्शन हैं।कंगना ने आगे लिखा, तो फिर इन सभी विकल्पों में से आप अपने भाई को बिकीनी या अंडरगारमेंट्स पहनकर राखी क्यों बांधेंगी? आपके पास स्टाइलिंग के इतने सारे विकल्प हैं, फिर ऐसा क्यों? हा हा, यह विज्ञापन जानबूझकर थोड़ा अजीब और डरावना लगता है।

महिला टी-20 एशिया कप 2026 का आगाज 28 अगस्त से

भारत-पाकिस्तान मुकाबले पर बोली हरमनप्रीत कौर, 'ऐसा दबाव कहीं और महसूस नहीं होता'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एसीसी महिला टी20 एशिया कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले बड़ा बयान दिया है। हरमनप्रीत ने स्वीकार किया कि भारत-पाकिस्तान मैच का दबाव किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से बिल्कुल अलग होता है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि खिलाड़ियों को नतीजे की चिंता करने के बजाय अपनी योजना, रूटीन और टीम की जरूरत पर ध्यान देना चाहिए। महिला टी20 एशिया कप 2026 का आगाज 28 अगस्त से होगा, जबकि भारत और पाकिस्तान की टीमें 5 सितंबर को ग्रुप स्टेज के हाई-वोल्टेज मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

'मैच जीतना है' का दबाव नहीं लेना चाहिए – हरमनप्रीत कौर ने खिलाड़ियों को सलाह दी कि मैच जीतने के दबाव में आने के बजाय हर पल टीम की जरूरत के मुताबिक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए। उनके अनुसार नतीजे बाद में आते हैं, लेकिन उससे पहले मैदान पर सही प्रक्रिया पर ध्यान देना ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा, 'नतीजे बाद में आते हैं, लेकिन उससे पहले हर पल हमें जो भी करना है, उस पर ध्यान देना जरूरी है। सिर्फ इस बात का दबाव लेने से बेहतर है कि मैच जीतना ही है, हम अपनी प्रक्रिया पर ध्यान दें।' भारतीय कप्तान ने आगे कहा, 'हमेशा कोशिश यही रहती है कि भविष्य के बारे में ज्यादा न सोचें, बल्कि वर्तमान में रहें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें। टीम की जो भी जरूरत हो, उसके मुताबिक अपना गेम प्लान तैयार करें।'

'इस मुकाबले की अहमियत अन्य बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों से अलग होती'

हरमनप्रीत कौर ने कहा कि भारत-पाकिस्तान मुकाबले में खिलाड़ियों पर मानसिक दबाव काफी ज्यादा होता है और इस मुकाबले की अहमियत अन्य बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों से अलग होती है। हरमनप्रीत ने मीडिया से कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि यह एक हाई-प्रेशर गेम है और एक खिलाड़ी के तौर पर आपको कई चीजों से निपटना पड़ता है। हम लगातार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं, लेकिन भारत-पाकिस्तान मैच में जिस तरह का दबाव होता है, वैसा दबाव कहीं और महसूस नहीं होता।'

कप्तान के तौर पर चीजों को सरल रखना चाहती हैं हरमनप्रीत

भारतीय कप्तान ने कहा कि ऐसे मुकाबलों में अतिरिक्त दबाव लेने के बजाय खिलाड़ियों के लिए अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वह कप्तान और खिलाड़ी, दोनों भूमिकाओं में चीजों को आसान और सरल रखने की कोशिश करती हैं। हरमनप्रीत ने कहा, 'एक कप्तान और खिलाड़ी के तौर पर मैं चीजों को बहुत सरल और आसान रखने की कोशिश करती हूं। अपने लक्ष्य और अपनी रूटीन पर होना चाहिए, क्योंकि जब आप अपनी रूटीन का सही तरीके से पालन करते हैं तो नतीजे जरूर मिलते हैं।'

सिनसिनाटी ओपन

कोको गॉफ ने दूसरी बार जीता खिताब, पुरुष वर्ग में आर्थर फिल्स चैंपियन बने

मेसन (अमेरिका) (एजेंसी)। कोको गॉफ ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब दूसरी बार अपने नाम कर लिया। वहीं, पुरुष एकल के फाइनल में फ्रांस के आर्थर फिल्स ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को हराकर अपने करियर का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया।

गॉफ ने पेगुला को सीधे सेटों में हराया – महिला एकल के फाइनल में कोको गॉफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेसिका पेगुला को 6-2, 6-4 से मात दी। गॉफ ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले सेट में 5-0 की मजबूत बढ़त हासिल करने के बाद उसे 6-2 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में पेगुला ने वापसी करने की कोशिश की और स्कोर को 5-4 तक पहुंचा दिया। हालांकि, गॉफ ने दबाव में शानदार संयम दिखाया और मैच जीतकर सिनसिनाटी में अपना दूसरा महिला एकल खिताब जीत लिया। गॉफ ने मुकाबले के दौरान मिले छह में से पांच ब्रेक प्वाइंट को भुनाया।

बालाजी-चंद्रशेखर ने कानकुन टेनिस ओपन जीता

● फाइनल में मैक्सिको और बेलारूस की जोड़ी को हराया, करीब 9.5 लाख मिले

मैक्सिको (एजेंसी)। भारत के एन. श्रीराम बालाजी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने मैक्सिको में खेले गए कानकुन कंट्री टेनिस ओपन का डबल्स खिताब जीत लिया है। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में मैक्सिको के मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला और बेलारूस के इवान ल्युटारेविच को 6-3, 7-6(4) से हराया।इस जीत के साथ बालाजी और अनिरुद्ध को 125-125 एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स रैंकिंग पॉइंट्स और 9,900 डॉलर (करीब 9.5 लाख रुपए) की इनामी राशि मिली।

पहले सेट में 6-3 से जीते, दूसरा टाईब्रेकर में -फाइनल के पहले सेट में दोनों जोड़ियों के बीच मुकाबला कड़ा रहा, लेकिन भारतीय जोड़ी ने अहम मौकों पर बढ़त बनाते हुए सेट 6-3 से अपने नाम किया।भारतीय जोड़ी ने पहली सर्विस पर 68 प्रतिशत और दूसरी सर्विस पर 81 प्रतिशत अंक जीते। बालाजी और अनिरुद्ध ने टाईब्रेकर में 7-4 से जीत दर्ज की और 7-6(4) से दूसरा सेट अपने नाम करते हुए खिताब जीत लिया।

श्रीलंका पर फॉलोऑन का खतरा, बारिश के कारण खेल बाधित

● भारत के खिलाफ श्रीलंका का स्कोर 265/8, फॉलोऑन बचाने के लिए 38 रन चाहिए

कोलंबो (एजेंसी)। कोलंबो टेस्ट में श्रीलंका पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है। उसने भारत के खिलाफ पहली पारी में 264 रन पर 8 विकेट गंवा दिए हैं। टीम को फॉलोऑन बचाने के लिए 38 रन और बनाने हैं। भारत ने पहली पारी में 503 रन बनाए थे। बारिश के कारण तीसरे दिन का खेल रोका गया है। सोनल दिनूषा 85 और लाहिरू कुमारा 8 रन पर नाबाद लौटे हैं। पसिंदु सूरियाबंडारा ने 80 रन की पारी खेली। उन्हें रवींद्र जडेजा ने बोल्ड कर दिया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट लिए।

● **कुमारा के चौके से श्रीलंका 250 पार हुआ** – श्रीलंका ने पहली पारी में 250 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। लाहिरू कुमारा ने रवींद्र जडेजा के ओवर की आखिरी बॉल पर चौका लगाया। इसी चौके से टीम 250 पार पहुंच गई।

रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला। मंगलवार को मैच के तीसरे दिन श्रीलंका को फॉलोऑन बचाने के लिए 38 रन और बनाने हैं। भारत ने पहली पारी में 503 रन बनाए थे। सोनल दिनूषा फिफ्टी बनाकर खेल रहे हैं। लाहिरू कुमारा उनका साथ दे रहे हैं। पसिंदु सूरियाबंडारा ने 133 गेंदों पर 80 रन की पारी खेलकर श्रीलंका की पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रवींद्र जडेजा ने उन्हें बोल्ड कर दिया। मोहम्मद सिराज ने निरोशन डिकवेला को बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला।

मानव सुथार को तीसरा विकेट, नुवानथा आउट – 69वें ओवर में श्रीलंका ने 8वां विकेट गंवा दिया। मानव सुथार ने केशरा नुवानथा को सारांश जैन के हाथों कैच कराया। सुथार की गेंद पर नुवानथा ने मिड-ऑफ के ऊपर से बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद ऊंची नहीं उठी और सरांश जैन ने आसान कैच लपक लिया।

प्रभाथ जयसूर्या पर आईसीसी की कार्रवाई

श्रीलंका के स्पिनर प्रभाथ जयसूर्या पर भारत के खिलाफ कोलंबो टेस्ट के दूसरे दिन आईसीसी ने कार्रवाई की है। जयसूर्या को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया और उन्हें आधिकारिक फटकार लगाई।जयसूर्या ने आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़ों, मैदान के उपकरण या फिक्स्चर को नुकसान पहुंचाने या उसका गलत इस्तेमाल करने से जुड़ा है।दिन की आखिरी गेंद पर आउट होने के बाद पवेलियन लौटते समय जयसूर्या ने अपने बल्ले से बाउंड्री रोप पर बैट मारा था। उनके रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है।

'सारा ढांचा ही खराब कर दिया हैं', विश्व कप में पुरूष हॉकी टीम के खराब प्रदर्शन पर भड़के दिग्गज

एम्सटेलवीन (एजेंसी)। विश्व कप में 51 साल बाद पदक जीतने का सपना लेकर गई भारतीय पुरूष हॉकी टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने में भी नाकाम रहने के बाद पूर्व दिग्गजों ने युवा खिलाड़ियों को मौका नहीं देने और उसी कोर ग्रुप के साथ लगातार खेलने पर सवाल उठाए हैं। अर्जेंटीना से 3-5 से हारने के बाद भारत की सेमीफाइनल की उम्मीदें भी खत्म हो गई और इससे वे कमजोरियां भी उजागर हुई जो पेरिस ओलंपिक के बाद से लगातार चली आ रही थी। पूर्व खिलाड़ियों का मानना है कि धीमी शुरूआत, मौके गंवाने और डिफेंस में चूक से आगे यह समस्या और बड़ी है और इसका हल काफी पहले निकाला जाना चाहिए था। भारतीय टीम विश्व कप से पहले स्विटजरलैंड में मानसिक दृढ़ता बढ़ाने के लिए बूट कैंप में गई लेकिन टूर्नामेंट में दबाव का सामना नहीं कर सकी। ड्रैग फ्लिकर और कप्तान हरमनप्रीत सिंह पर अधिक निर्भरता का खामियाजा भुगतना पड़ा जबकि वह पूरी तरह फिट नहीं थे। मनप्रीत सिंह और मनदीप सिंह जैसे सीनियर अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास लेने वाले गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने जूनियर खिलाड़ियों को समय पर मौके नहीं दिए जाने का हवाला देते हुए कहा, 'सीनियर खिलाड़ियों के जाने के बाद उनकी जगह कौन लेगा। क्या हमने दूसरी जमात तैयार की है। लॉस एंजिलिस ओलंपिक में दो ही साल बचे हैं और उससे पहले करीब तीस अंतरराष्ट्रीय मैच ही होंगे।

दलीप ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी ने एक ही ओवर में झटके 2 विकेट, डेब्यू मैच में गेंदबाजी से दिखाया दम

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के 15 वर्षीय युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी 2026 में अपने पहले ही मुकाबले में बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन के बाद गेंदबाजी में शानदार वापसी की। नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बाएं हाथ के स्पिनर सूर्यवंशी ने एक ही ओवर में दो विकेट चटकाकर अपनी टीम ईस्ट जोन को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। नए बल्लेबाज इमलीवाती लेमतुर ने पहली ही गेंद पर चौका लगाकर अपना खाता खोला। हालांकि, सूर्यवंशी ने जल्द ही वापसी की। एक डॉट गेंद के बाद उन्होंने राउंड द विकेट आकर गेंदबाजी की और लेमतुर के बल्ले का बाहरी किनारा निकलवा दिया। विकेटकीपर और कप्तान ईशान किशन ने कैच लपकने में कोई गलती नहीं की। इस तरह वैभव सूर्यवंशी ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर नॉर्थ ईस्ट जोन को मुश्किल में डाल दिया। फॉलोऑन खेल रही नॉर्थ ईस्ट जोन की टीम 28वें ओवर तक 79/7 के स्कोर पर सिमटती नजर आ रही थी। रोंगसेन जोनाथन की कप्तानी वाली टीम पर पारी की हार का खतरा मंडरा रहा था। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-2 पर खेले जा रहे इस दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में ईस्ट जोन ने मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली। लंच ब्रेक तक नॉर्थ ईस्ट जोन का स्कोर 102/8 था और टीम अभी भी 254 रन से पीछे चल रही थी।

बल्लेबाजी में नहीं चला बल्ला

ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए वैभव सूर्यवंशी को पहली पारी में बल्लेबाजी का मौका मिला, लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल सके। सूर्यवंशी ने मणिपुर के तेज गेंदबाज बिश्वोजीत कोंथौजम के खिलाफ लगातार दो चौके जरूर लगाए, लेकिन इसके बाद शरीर से दूर जाती गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में गलती कर बैठे। उनका बल्ले का बाहरी किनारा लगा और गली में जोसेफ लालथंखुमा ने कैच लपक लिया। इस तरह दलीप ट्रॉफी डेब्यू पर सूर्यवंशी सिंगल डिजिट स्कोर पर आउट हो गए।

कप्तान ईशान किशन ने थमाई गेंद

बल्ले से सस्ते में आउट होने के बाद सूर्यवंशी ने गेंदबाजी से अपनी छाप छोड़ी। मुकाबले के तीसरे दिन ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने नॉर्थ ईस्ट जोन की दूसरी पारी के 26वें ओवर में उन्हें गेंद सौंपी। बाएं हाथ के स्पिनर सूर्यवंशी ने जल्द ही कप्तान के भरोसे को सही साबित कर दिया और अपने दूसरे ओवर में लगातार दो बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर मैच का रुख पूरी तरह ईस्ट जोन की तरफ मोड़ दिया।

किशन लिंगदोह को बनाया पहला शिकार

अपने दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी ने किशन लिंगदोह को आउट किया। लिंगदोह क्रीज से आगे निकलकर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन गेंद को सही तरह से टाइम नहीं कर सके। उनके बल्ले से लीडिंग एज निकला और गेंद हवा में चली गई।

पूर्व वर्ल्ड स्नूकर चैंपियन बच्चों के यौन शोषण में दोषी

1993 से 2010 के बीच लड़की और लड़के से दुर्व्यवहार; स्नूकर संस्था ने सदस्यता खत्म की

ग्लासगो (एजेंसी)। पूर्व वर्ल्ड स्नूकर चैंपियन ग्रेम डॉट को बच्चों के यौन शोषण के दो मामलों में दोषी पाया गया है। 49 साल के डॉट के खिलाफ ग्लासगो हाई कोर्ट में पांच दिन तक सुनवाई चली। ज्यूरी ने उन्हें 1993 से 1996 के बीच एक लड़की और 2006 से 2010 के बीच एक लड़के के साथ किए गए यौन दुर्व्यवहार से जुड़े दोनों मामलों में दोषी माना। अदालत ने डॉट की सजा पर फैसला अगली सुनवाई में करने का आदेश दिया है। यह सुनवाई 29 सितंबर 2026 को एडिनबर्ग में होगी। तब तक डॉट हिरासत में रहेंगे।सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि डॉट ने 1990 के दशक में एक स्कूली लड़की के साथ कई बार अनुचित व्यवहार किया। अब 40 की उम्र में पहुंच चुकी महिला ने आरोप लगाया कि डॉट ने उसे गलत तरीके से छुआ और उसे यौन गतिविधियों में शामिल करने की कोशिश की।महिला ने अदालत में बताया कि इन घटनाओं से वह डर गई और सदमे में थी। डॉट ने उसे एक टेडी बियर भी दिया था। पुलिस ने 2001 में इन आरोपों को लेकर डॉट से संपर्क किया था, लेकिन उस समय कोई चार्ज नहीं लगाया गया।दूसरे मामले में एक लड़के ने अदालत को बताया कि डॉट ने 2006 के बाद उसका यौन शोषण किया। उस समय उसकी उम्र करीब 8 साल थी। उसने अदालत में डॉट पर बाथरूम, कार और अन्य जगहों पर अनुचित तरीके से छूने और यौन दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया।उसने यह भी बताया कि डॉट उसे चिप्स, सॉफ्ट ड्रिंक और एक बार 50 पाउंड देकर 'इनाम' देता था।

प्रज्ञाननंदा ग्रैंड चेस टूर टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे

जर्मनी के कीमर को 19-9 से हराया; अब डिफेंडिंग चैंपियन कारुआना से मुकाबला

सेंट लुइस (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ग्रैंड चेस टूर (जीसीटी) 2026 के फाइनल में पहुंच गए हैं। अमेरिका के सेंट लुइस में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में प्रज्ञाननंदा ने सेमीफाइनल में जर्मनी के विंसेंट कीमर को 19-9 से हराया। प्रज्ञाननंदा ने क्लासिकल और रैपिड गेम के बाद ही फाइनल में जगह पक्की कर ली थी। इसके बाद खेले गए तीन ब्लिट्ज गेम हारने के बावजूद उनके कुल स्कोर पर कोई असर नहीं पड़ा।अब 25 अगस्त को खिताबी मुकाबले में प्रज्ञाननंदा का सामना डिफेंडिंग चैंपियन अमेरिका के फैबियानो कारुआना से होगा।

तीन गेम बाकी रहते ही फाइनल पक्का किया – प्रज्ञाननंदा ने सेमीफाइनल के दूसरे क्लासिकल गेम में कीमर को हराकर 9-3 की बढ़त हासिल की। इसके बाद रैपिड गेम्स में भी उन्होंने बढ़त बनाए रखी।रैपिड मुकाबलों के बाद प्रज्ञाननंदा ने 3 गेम बाकी रहते ही सेमीफाइनल अपने नाम कर लिया। यानी ब्लिट्ज के नतीजे उनके फाइनल में पहुंचने की स्थिति को बदल नहीं सकते थे।इसके बाद चार ब्लिट्ज गेम खेले गए। प्रज्ञाननंदा ने पहले ब्लिट्ज गेम में हार की स्थिति से वापसी करते हुए जीत दर्ज की, लेकिन इसके बाद कीमर ने लगातार तीन ब्लिट्ज गेम जीत लिए। इसके बावजूद सेमीफाइनल का कुल स्कोर 19-9 प्रज्ञाननंदा के पक्ष में रहा।

पटवारी बोले- शाह को मंत्री पद से बर्खास्त किया जाए

राष्ट्रपति को पत्र लिखा, पीएम से पूछा– सेना के अपमान पर चुप्पी क्यों; सरकार ने केस की परमिशन रोकी थी

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री विजय शाह द्वारा भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के संबंध में की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी और उसके बाद राज्य सरकार द्वारा उनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी न दिए जाने का मामला अब सर्वोच्च कोर्ट की दहलीज तक पहुंच गया है।मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर महामहिम राष्ट्रपति को एक पत्र लिखा है। उन्होंने इसे मध्यप्रदेश के राजनीतिक इतिहास का 'अत्यंत शर्मनाक अध्याय' बताते हुए

मुख्यमंत्री मोहन यादव समेत पूरे मंत्रिमंडल को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है। मप्र सरकार ने नहीं दी केस चााने की मंजूरीजीतू पटवारी ने अपने पत्र में लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठितने मंत्री विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति मांगी थी, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इसे नामंजूर कर दिया गया। कांग्रेस का आरोप है कि राज्य सरकार एक 'बड़बोले मंत्री' को राजनीतिक संरक्षण दे रही है और न्यायिक प्रक्रिया के सामने दीवार बनकर खड़ी हो गई है।

पटवारी ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं और कहा है कि सेना का सम्मान किसी दल की जागीर नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का राष्ट्रीय स्वाभिमान है।व्यवस्था पर सवाल और गंभीर आरोप लगाएमप्र सरकार के मंत्री विजय शाह ने देश की जांबाज बेटी और भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी कर जिस मयार्दा को तार-तार किया, वह एक व्यक्ति ही नहीं, देश की सेना का भी अपमान था! आज प्रश्न उससे भी गंभीर हो गया है! मध्य प्रदेश सरकार द्वारा विजय शाह के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति नहीं देने का निर्णय एक बड़बोले मंत्री को राजनीतिक संरक्षण देने के साथ, उस व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न है।

खजाने में 600 करोड़ की गड़बड़ी पर युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

डिप्टी सीएम के बंगले पर उड़ाए नकली नोट

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी खजाने में 600 करोड़ की गड़बड़ी के मामले में युवा कांग्रेस ने उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के बंगले के बाहर प्रदर्शन किया।बुधवार दोपहर करीब 2 बजे प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार के नेतृत्व में कार्यकर्ता प्रतीकात्मक रूप से नोटों की गड्डियां लेकर पहुंचे। उन्होंने वित्त मंत्री को नोट सौंपने के लिए बंगले के अंदर जाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया।इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने हवा में नोट उड़ा दिए। पुलिस ने कार्यकताओं को हिरासत में लेकर टीटी नगर थाने पहुंचाया। प्रदर्शन खत्म होने के बाद भी बंगले के बाहर सड़क पर काफी देर तक नोट बिखरे रहे। मौके पर मौजूद लोगों ने इसका वीडियो भी बनाया। कांग्रेस बोली-

छोटी मछलियों पर कार्रवाई, बड़े लोग बचे अभिषेक परमार ने आरोप लगाया कि वित्त विभाग के अधीन सरकारी खजाने में करीब 600 करोड़ रुपए की गड़बड़ी हुई है। उनका कहना था कि मामले में छोटी मछलियों पर कार्रवाई की गई, लेकिन जिम्मेदार बड़े लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई। परमार ने कहा- अगर वित्त मंत्री पर कार्रवाई नहीं हुई तो अगले चरण में उनके मुंह पर कालिख पोतने का प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन को लेकर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने भारतीय मुद्रा का अपमान किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नोटों को पैरों के नीचे फेंका गया।

संत रविदास कलश वंदन यात्रा से सामाजिक समरसता का संदेश दे रही भाजपा

भोपाल:–संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भाजपा भोपाल जिला द्वारा समरसता संकल्प अभियान के तहत निकाली जा रही संत रविदास कलश वंदन यात्रा का बुधवार को मध्य विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मंडलों में भव्य स्वागत किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं और समाजजनों ने पुष्पवर्षा एवं कलश वंदन कर यात्रा का अभिनंदन किया।अरेरा मंडल के वार्ड–45 में पार्षद श्रीमती शिखा मोनू गोहल ने 7 नंबर बीडीए मार्केट एवं संजय स्कूल, 125 की लाइन में महिलाओं के साथ यात्रा का स्वागत किया। इसके अलावा अरेरा मंडल, महाराणा प्रताप मंडल और शाहपुरा मंडल सहित विभिन्न स्थानों पर भी कार्यकर्ताओं ने यात्रा का स्वागत किया।यात्रा के माध्यम से संत रविदास के समरसता, समानता और सामाजिक एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति के मार्गदर्शन में यात्रा भोपाल जिले की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में भ्रमण कर रही है।भाजपा जिला महामंत्री मुकेश राय ने कहा कि संत रविदास जी के विचार समाज में समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत करने की प्रेरणा देते हैं। यात्रा के माध्यम से उनके संदेश को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।भाजपा के अनुसार अब तक भोपाल जिले की करीब चार विधानसभा क्षेत्रों में यात्रा का आयोजन हो चुका है।

अशोका गार्डन, मंगलवारा से निकले; लड़कियों ने तलवार से करतब दिखाए

ईद मिलादुन्नबी पर भोपाल में निकाले जा रहे जुलूस

भोपाल। ईद मिलादुन्नबी पर मुस्लिम समाज जुलूस निकाल रहा है। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी की ओर से मंगलवारा से जुलूस निकालेगा। वहीं, अशोका गार्डन क्षेत्र से भी जुलूस निकल रहा है। इनमें बड़ी संख्या में समाज के लोग हिस्सा ले रहे हैं। मंगलवारा क्षेत्र में मुस्लिम समाज की कई लड़कियां तलवार से करतब दिखाती हुई नजर आई।जुलूस इतवारा मस्जिद से शुरू होकर निर्धारित मार्ग से होते हुए पीरगेट पहुंचेगा और इमामी गेट पर इसका समापन होगा। जुलूस में विभिन्न अखाड़ों के दल भी शामिल होंगे। अखाड़ों की ओर से पारंपरिक कला और शौर्य प्रदर्शन किए जाएंगे।आयोजकों के मुताबिक यह आयोजन भोपाल की साझा सांस्कृतिक विरासत और आपसी सद्भाव को सामने रखने का माध्यम होगा। अलग-अलग जुलूसों को एक मंच पर लाने की अपील कमेटी के संरक्षक शमशुअल हसन बल्ली ने कहा कि अलग-अलग स्थानों से आने वाले जुलूसों का समापन इमामी गेट पर एक साथ किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कमेटी सभी सामाजिक और

मुस्लिम संगठनों से साथ आने की अपील करती है।राजनीतिक हस्तक्षेप से कमेटी को आपत्ति है और जुलूस को सामाजिक एवं धार्मिक सौहार्द का मंच बनाए रखना उद्देश्य है।अशोका गार्डन क्षेत्र में भी निकल रहा जुलूस मिलाद-उन-नबी के मौके पर अशोका गार्डन से भी जुलूस की शुरूआत हुई है। इसमें समाज के वरिष्ठजनों के साथ बच्चे भी शामिल हैं।

रहवासी इलाकों में कारोबार पर बड़ी कार्रवाई गौतम नगर में चल रही ओयो होटल सील

भोपाल–सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हरकत में आए नगर निगम ने रहवासी इलाकों में कारोबार को लेकर भोपाल में पहली बार बड़ी कार्रवाई की। बुधवार को वार्ड-58 के गौतम नगर स्थित रेसीडेंसियल बिल्डिंग में संचालित होटल को सील कर दिया गया। खास बात ये है कि निगम ने बिल्डिंग में कमर्शियल एक्टिविटी बंद करने का नोटिस दिया था। बावजूद कारोबार जारी रहा।

भाजपा जिला भोपाल महिला मोर्चा की पदाधिकारियों की बैठक संपन्न

बाली में अंतरराष्ट्रीय जनस्वास्थ्य सम्मेलन में एम्स के प्रोफेसर डॉ. सूर्य बाली ने प्रस्तुत किया किशोर स्वास्थ्य पर शोध

भोपाल। एम्स भोपाल के सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. सूर्य बाली ने इंडोनेशिया के बाली में आयोजित 12वें अंतरराष्ट्रीय जनस्वास्थ्य सम्मेलन में किशोर स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषय पर अपना शोध प्रस्तुत किया। सम्मेलन का आयोजन 5 से 7 अगस्त 2026 तक ह्लसीमाओं से परेः स्थिरता, नवाचार और वैश्विक परिवर्तन के माध्यम से जनस्वास्थ्य को आगे बढ़ानाह्व विषय पर किया गया।डॉ. बाली ने मध्यप्रदेश के किशोरों में उनकी इच्छा के विरुद्ध यौन संबंध अथवा यौन गतिविधि के लिए दबाव बनाए जाने और इसके पीछे मौजूद कारणों पर आधारित वैज्ञानिक अध्ययन के निष्कर्ष मौखिक वैज्ञानिक सत्र में साझा किए। अध्ययन में किशोरों की सुरक्षा, जागरूकता और समय पर सहायता की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही, ऐसे मामलों की रोकथाम के लिए शोध आधारित रणनीतियां विकसित करने तथा किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रमों को और मजबूत करने की आवश्यकता रेखांकित की गई।इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर मध्यप्रदेश में किए गए शोध को विभिन्न देशों से आए जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों, शोधकताओं और शिक्षाविदों के साथ साझा करने का अवसर मिला। सम्मेलन में वर्तमान जनस्वास्थ्य

चुनौतियों, नवाचारों और भविष्य की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। शोध-पत्र प्रस्तुतीकरण के लिए डॉ. सूर्य बाली को वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्ष प्रो. अनिस एन. हाप्पी ने प्रस्तुति प्रमाण-पत्र प्रदान किया। सम्मेलन के अध्यक्ष एवं सिटी यूनिवर्सिटी मलेशिया के चिकित्सा संकाय के परामर्शदाता कार्यकारी अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) हेमतराम यादव ने भी उन्हें सम्मानित किया।डॉ. बाली ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक मंच शोधकताओं को ज्ञान और अनुभव साझा करने का महत्वपूर्ण अवसर देते हैं। स्थानीय स्तर पर किए गए शोध को व्यापक जनस्वास्थ्य चर्चा तक पहुंचाना आवश्यक है। भारत और विशेषकर मध्यप्रदेश में हो रहे शोध नई एवं उभरती जनस्वास्थ्य चुनौतियों को समझने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।डॉ. बाली की भागीदारी से एम्स भोपाल के शैक्षणिक एवं शोध कार्यों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर साझा करने के साथ किशोर स्वास्थ्य से जुड़े मध्यप्रदेश के महत्वपूर्ण शोध को वैश्विक विशेषज्ञों तक पहुंचाने का अवसर मिला।

रक्षाबंधन, बलराम जयंती और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर प्रदेशभर में होंगे भव्य आयोजन

भोपाल। रक्षाबंधन, बलराम जयंती और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मध्यप्रदेश में विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने संबंधित विभागों, संभागायुक्तों और कलेक्टरों को आयोजन की तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।रक्षाबंधन 28 अगस्त को ह्यएक राखी, एक संकल्पह्न, ह्यरक्षासूत्र-एक राखी-एक रिश्ताह्न और ह्यपेड़ को राखी-प्रकृति से भाईचाराह्न जैसी गतिविधियां जनभागीदारी से होंगी। स्कूलों में प्रकृति संरक्षण पर कहानी और पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। मुख्यमंत्री निवास पर भी विशेष आयोजन होगा।बलराम जयंती 2 सितंबर को बलराम कृषि महोत्सव के रूप में मनाई जाएगी। इसमें पारंपरिक कृषि कलारूपों की प्रस्तुतियों के साथ आधुनिक कृषि उपकरण, उन्नत बीज और प्राकृतिक खेती पर केंद्रित प्रदर्शनियां तथा

संवाद कार्यक्रम होंगे। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर को प्रदेशभर में भव्य रूप से मनाई जाएगी। स्कूलों में मटकी और बांसुरी प्रतियोगिता, जीवंत झांकी, भाषण प्रतियोगिता तथा बच्चों को श्रीकृष्ण के बालस्वरूप में तैयार कर प्रस्तुतियां कराई जाएंगी। मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर विशेष श्रृंगार, स्वच्छता अभियान, भजन-कीर्तन, मटकी फोड़, दीप प्रज्ज्वलन और सामूहिक आरती जैसे आयोजन होंगे प्रदेश के करीब 81 प्रमुख श्रीकृष्ण मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर सांस्कृतिक और भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री निवास में 4 सितंबर को भक्ति गायन, लोकनृत्य और मटकी फोड़ कार्यक्रम होगा। एक हजार से अधिक बच्चों को श्रीकृष्ण के बालस्वरूप में तैयार कर उनके परिजनों सहित आमंत्रित किया जाएगा।29 अगस्त से 4 सितंबर तक बच्चों के लिए विशेष पोषण एवं स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। आंगनवाड़ी केंद्रों और प्राथमिक शालाओं में विशेष पोषण आहार की व्यवस्था होगी।भोपाल में 7 दिवसीय श्रीरासलीला समारोह आयोजित होगा। इसके अलावा जानापाव, अमझेरा, उज्जैन, सांदीपनि आश्रम, नारायणा, जामगढ़, खातेगांव, पन्ना, शहडोल, उमरिया, मंडला, राघौगढ़, भितरवार, जावद और मल्हारगढ़ सहित कृष्ण से जुड़े विभिन्न स्थलों पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। जनजातीय छात्रावासों और आश्रम शालाओं में भजन, कृष्ण वेशभूषा और चित्रकला प्रतियोगिताएं होंगी। गौशालाओं में साफ-सफाई, गौपूजन, गौ-रक्षासूत्र और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाए जाएंगे। कांवड़ यात्राओं के मार्गों पर जनसुविधा, सुरक्षा और दुर्घटना रोकथाम की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएंगी।

14 लाख परिवार प्रभावित, केंद्र ने बंद की सब्सिडी, सरकार ने सोसायटियों में रोकी सप्लाई

20 किलो वाली चीनी 5 महीने से बंद

भोपाल। मध्यप्रदेश में अंत्योदय परिवारों को राशन दुकानों से 20 रुपए किलो मिलने वाली चीनी पिछले 5 महीने से बंद है। करीब 14 लाख अंत्योदय परिवार प्रभावित हैं। पहले इन्हें गेहूं और चावल के साथ एक किलो चीनी 20 रुपए में मिलती थी। अब चीनी नहीं मिलने से परिवारों को बाजार से खरीदना पड़ रहा है।बाजार में चीनी की कीमत करीब 70 रुपए किलो तक पहुंचने के बीच गरीब परिवारों पर अतिरिक्त खर्च का बोझ बढ़ गया है। चीनी बंद करने की वजह केंद्र सरकार की ओर से मिलने वाली सब्सिडी बंद किया जाना बताया जा रहा है।खाद्य विभाग के अनुसार, अंत्योदय परिवारों को राशन दुकान से मिलने वाली चीनी का वितरण 1 अप्रैल 2026 से बंद है। राशन दुकानदारों का कहना है कि 31 मार्च के बाद उन्हें बांटने के लिए चीनी का नया स्टॉक नहीं दिया गया। इससे पहले लाभार्थी एक किलो चीनी के लिए राशन दुकान पर 20 रुपए देते थे। बाजार भाव 40 रुपए किलो से ज्यादा होने के बावजूद उन्हें चीनी रियायती दर पर मिल रही थी। केंद्र से मिलती थी 18.50 रुपए की सब्सिडी खाद्य विभाग के

अधिकारियों के मुताबिक, 20 रुपए किलो की दर से चीनी उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार 18.50 रुपए प्रति किलो सब्सिडी देती थी। राज्य सरकार भी इसमें अंशदान मिलाती थी। इसी व्यवस्था के तहत लाभार्थी को चीनी 20 रुपए किलो में मिलती थी। अधिकारियों का कहना है कि केंद्र की सब्सिडी 31 मार्च के बाद बंद हो गई। इसके बाद बिना सब्सिडी चीनी उपलब्ध कराना राज्य सरकार के लिए महंगा पड़ रहा था, इसलिए वितरण रोक दिया गया।

शिक्षक भर्ती–2025 के अभ्यर्थियों के बीच पहुंचे दिग्विजय सिंह:बोले– मांगें नहीं मानीं तो शिक्षक दिवस से करूंगा 24 घंटे की भूख हड़ताल

- **मुख्यमंत्री सिंह ने कहा कि उनके जीवन में स्वास्थ्य और शिक्षा हमेशा सबसे महत्वपूर्ण विषय रहे हैं। ग्वालियर से 26 जून को रवाना होगा पहला जत्था**

भोपाल। राजधानी भोपाल के नीलम पार्क में शिक्षक भर्ती-2025 और रिक्त पदों को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों के बीच बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की मांगों को जायज बताते हुए सरकार से जल्द समाधान की मांग की। चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानीं गईं तो शिक्षक दिवस से वे खुद 24 घंटे की भूख

हड़ताल करेंगे। मुख्यमंत्री सिंह ने कहा कि उनके जीवन में स्वास्थ्य और शिक्षा हमेशा सबसे महत्वपूर्ण विषय रहे हैं। उन्होंने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए बड़ी संख्या में स्कूल खोले गए। उनके मुताबिक करीब 45 हजार नए स्कूल खोले गए थे साथ ही शिक्षकों की भर्ती का अधिकार भोपाल से हटाकर स्थानीय स्तर पर दिया गया था। ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। पूर्व मुख्यमंत्री के साथ पूर्व मंत्री पीसी शर्मा भी थे। इस दौरान महिला अभ्यर्थियों ने पूर्व मुख्यमंत्री को राखी भी बांधी।सिंह ने भाजपा और आरएसएस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में शिक्षा और रोजगार की जगह राजनीतिक और धार्मिक मुद्दों को प्राथमिकता दी जा रही है। राम मंदिर के चंदे को लेकर भी उन्होंने गंभीर आरोप लगाए और भाजपा तथा संघ से जुड़े संगठनों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए।

गांधी प्रतिमा के समक्ष व्यापारियों ने गाई रामधुन, नया मास्टर प्लान लाने और सीलिंग रोकने की मांग

सीलिंग के केस्थायी समाधान के लिए व्यापारियों ने शुरू किया से प्रदर्शन तक अभियान

भोपाल। आवासीय क्षेत्रों में संचालित व्यावसायिक गतिविधियों के विरुद्ध नगर निगम की सीलिंग कार्रवाई के स्थायी समाधान की मांग को लेकर भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और भोपाल व्यापारी महासंघ के नेतृत्व में मिंटो हॉल स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष प्रार्थना सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम का नेतृत्व भोपाल चेंबर के अध्यक्ष गोविंद गोयल ने किया। सभा में 95 से अधिक व्यापारी एसोसिएशनों के करीब 2 हजार व्यापारी शामिल हुए। व्यापारियों ने सामूहिक रूप से रामधुन गाकर महात्मा गांधी और

भगवान श्रीरामचंद्र से प्रार्थना की। सत्य, अहिंसा और शांतिपूर्ण संघर्ष के गांधीवादी विचारों से प्रेरणा लेते हुए ह्यप्रार्थना से प्रदर्शन तकह्न अभियान की शुरूआत की गई। चेंबर पदाधिकारियों ने कहा कि व्यापारियों का उद्देश्य टकराव नहीं, बल्कि संवाद और लोकतांत्रिक तरीके से समस्या का स्थायी एवं व्यावहारिक समाधान हासिल करना है।भोपाल चेंबर अध्यक्ष गोविंद गोयल ने दावा किया कि नगर निगम द्वारा अब तक करीब 65 से 70 हजार व्यापारियों को सीलिंग के नोटिस दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक प्रतिष्ठान में औसतन चार-पांच कर्मचारी कार्यरत हैं तो कार्रवाई से करीब चार से पांच लाख लोगों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। उन्होंने मध्यप्रदेश शासन से भोपाल के लिए नया मास्टर प्लान तत्काल जारी करने की मांग की।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)